मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 122
गुरुवार, 14 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

अपनी महत्वकांक्षाओं को किनारे रख महाराष्ट्र के हित में बड़ा सोचें: उद्धव ठाकरे

सावंतवाड़ी, 13 नवम्बर। शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महा विकास आघाडी (एमवीए) के बागियों से अपील की कि वे अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को किनारे रख महाराष्ट्र के हित के लिए बड़ा सोचें। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले शिवसेना (उबाठा) उम्मीदवार राजन तेली के लिए कोंकण क्षेत्र के तटीय शहर सावंतवाड़ी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि सीट बंटवारे पर बातचीत के दौरान खींचतान हो सकती है, लेकिन गठबंधन के घटक अंततः एकजुट रहते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस कुछ सीट चाहती थी और हम भी कुछ और सीट चाहते थे। लेकिन जब हमने राज्य के व्यापक हितों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है तो हमें गठबंधन धर्म का पालन करना होगा।

ठाकरे ने कहा, हमारे सभी एमवीए सहयोगी ऐसा कर रहे हैं। मैं अभी भी मैदान में मौजूद (एमवीए) बागियों से अपील करना चाहता हूं कि वे महाराष्ट्र-द्रोही तत्वों की मदद न करें। शिवसेना (उबाठा) विपक्षी गठबंधन एमवीए में कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ

घटक है। सावंतवाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना ने तेली के खिलाफ मंत्री दीपक कासरकर को मैदान में उतारा है। शिंदे सेना सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है। इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा उसकी सहयोगी हैं।ठाकरे ने शिंदे पर निशाना साधा और उन पर अगस्त में सिंधुदुर्ग जिले के मालवण तालुका स्थित रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के लिए समुद्री हवाओं को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। ठाकरे ने कहा, योद्धा राजा द्वारा निर्मित सिंधुदुर्ग किला कई शताब्दियों तक समुद्री हवाओं के बावजूद मजबूती से खड़ा है। जो लोग शिवाजी महाराज की प्रतिमा के गिरने के लिए समुद्री हवाओं को दोषी ठहराते हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए। शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष ने कहा कि जब वह 2019 में मुख्यमंत्री बने, तो सबसे पहला फैसला रायगढ़ किले का जीर्णोद्धार और कृषि ऋण माफ करने के लिए बजट आवंटित करने का किया।

महा विकास आघाडी जीता तो महाराष्ट्र कांग्रेस के लिए एटीएम बन जाएगा : अमित शाह

जलगांव (महाराष्ट्र), 13 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर महा विकास आघाडी (एमवीए) 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीत जाता है तो राज्य कांग्रेस के लिए एटीएम बन जाएगा। शाह ने जलगांव जिले के चालीसगांव में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, वे (एमवीए) राज्य के संसाधनों का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र से पैसा बटोरेंगे और पैसा दिल्ली भेज देंगे। उन्होंने कहा, वहीं, अगर भाजपा नीत महायुति सरकार बनती है तो मोदी प्रशासन महाराष्ट्र के लिए वृहद विकास सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में सरकार बनाने जा रही है और महायुति सरकार महाराष्ट्र में सत्ता में आ रही है।

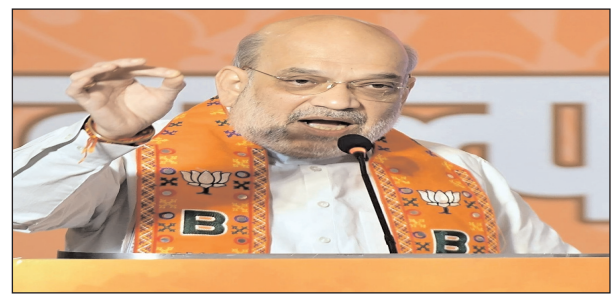

उन्होंने कहा, इसलिए कांग्रेस झूठे वादे करती है और लोगों को गुमराह करती है। शाह ने कहा, हाल में, राहुल गांधी को बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान की एक प्रति लहराते हुए देखा गया। उन्होंने संसद में शपथ लेते वक्त भी वही प्रति पकड़ी थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, जब कुछ पत्रकारों को वह प्रति मिली तो उसके पन्ने खाली थे। संविधान की फर्जी प्रति दिखाकर राहुल ने लोगों का विश्वास तोड़ा और बाबासाहेब का अपमान किया। जाहिर है, राहुल बाबा आपने कभी भारतीय संविधान नहीं पढ़ा। उन्होंने कहा कि सोनिया-मनमोहन सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण 10 साल तक नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। शाह ने कहा, कांग्रेस की पूरी राजनीति धोखे के आधार पर चलती है। वे कह रहे हैं कि महायुति सरकार बनने के बाद महाराष्ट्र में निवेश कम हो गया है।

झारखंड में पहले चरण का मतदान खत्म, 64.86 फीसदी वोटिंग

रांची, 13 नवम्बर। झारखंड में पहले चरण के तहत 43 विधानसभा सीटों पर आज वोटिंग खत्म हो चुकी है। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। जानकारी के मुताबिक पूरे राज्य में शाम 5:00 बजे तक 64.86 प्रतिशत मतदान हुआ। लोहरदगा जिला 73.21 प्रतिशत मतदान के साथ शीर्ष पर रहा जबकि हजारीबाग जिले में सबसे कम 59.13 प्रतिशत मतदान हुआ। अन्य जिलों में मतदान प्रतिशत सरायकेला-खरसावां में 72.19, गुमला में 69.01, सिमडेगा में 68.66, खूंटी में 68.36, गढ़वा में 67.35, लातेहार में 67.16, पश्चिमी सिंहभूम में 66.87, रामगढ़ में 66.32, पूर्वी सिंहभूम 64.87, चतरा 63.26, पलामू में

62.62, कोडरमा में 62, रांची 60.49 और हजारीबाग में 59.13 रहा।

इस चरण में चुनाव मैदान में खड़े प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल हैं, जो सरायकेला में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, उनका मुकाबला झामुमो के गणेश महली से है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा जगन्नाथपुर में कांग्रेस के सोना राम सिंकू के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। लोहरदगा में कांग्रेस नेता रामेश्वर ओरांव का मुकाबला आजसू के शांति भगत से है जबकि जमशेदपुर (पश्चिम) में जद (यू) के सरयू राय का मुकाबला कांग्रेस के बन्ना गुप्ता से है। दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो ने 30 सीट हासिल की थीं जबकि भाजपा ने 25 सीट पर जीत दर्ज की थी। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 47 सीट के साथ बहुमत हासिल किया था। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला गठबंधन अपनी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के दम पर सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने आक्रामक हिंदुत्व एजेंडे, घुसपैठ और मौजूदा सरकार के कथित भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को चुनाव प्रचार के दौरान उठाया है।

अमानतुल्लाह खान के खिलाफ चार्जशीट पर कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेना है या नहीं, इस पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। आरोपपत्र में आम आदमी पार्टी (आप) नेता अमानतुल्ला खान और मरियम सिद्दीकी का नाम है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने संज्ञान पक्ष पर आदेश सुनाने के लिए 14 नवंबर की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत को बताया कि अपराध की कमाई को संपत्ति में निवेश किया गया था, जिसे अमानतुल्ला खान की दूसरी पत्नी मरियम सिद्दीकी के

नाम पर खरीदा गया था।

ईडी ने आरोप लगाया कि रुपये की संपत्ति। खान के निर्देशन में ओखला में 36 करोड़ रुपये का अधिग्रहण किया गया। 27 करोड़ का नकद भुगतान किया। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने ईडी से सवाल किया कि अमानतुल्ला खान मनी लॉन्ड्रिंग अपराध से कैसे जुड़े थे। जवाब में, ईडी ने एक डायरी और व्हाट्सएप चैट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया कि खान का नाम मिलान वित्तीय लेनदेन के साथ, कौसर इमाम सिद्दीकी द्वारा लिखी गई डायरी में कई बार दिखाई दिया। ईडी ने उन संदेशों का भी उल्लेख किया, जिनमें कहा गया था, नेताजी को पैसा मांग दिया, और नोट किया कि उसी दिन का लेनदेन इस संदेश के अनुरूप था। इससे पहले विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने बुधवार को केंद्रीय जांच एजेंसीईडी से अभियोजन के संबंध में विभिन्न स्पष्टीकरण मांगे और मामले की सुनवाई 13 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी थी।

कर्नाटक के स्कूल में नाश्ता करने के बाद 30 छात्र बीमार पड़े

कर्नाटक। कर्नाटक के बीदर जिले के हुमनाबाद शहर में एक निजी आवासीय स्कूल के लगभग 30 छात्र बुधवार सुबह नाश्ता करने के बाद बीमार पड़ गए। पुलिस ने इसके खाद्य विषाक्तता का मामला होने की आशंका जताई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, नाश्ते में चावल से बना व्यंजन खाने के बाद छात्रों को उल्टी होने लगी। उन्होंने चक्कर आने और कमजोरी महसूस होने की भी शिकायत की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित छात्रों की उम्र 12 से 14 साल के बीच है और उनकी हाल स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने कहा, इन सभी की हालत स्थिर है और चिकित्सा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल उच्च न्यायालय ने छह मुख्य संसदीय सचिवों की रद्द की नियुक्ति

हिमाचल प्रदेश, 13 नवम्बर। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने छह मुख्य संसदीय सचिवों (सीपीएस) की नियुक्ति बुधवार को रद्द कर दी और उस कानून को भी अमान्य घोषित कर दिया, जिसके तहत ये नियुक्तियां की गई थीं।न्यायमूर्ति विवेक ठाकुर और न्यायमूर्ति बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने इन सीपीएस को हासिल सभी सुविधाओं और विशेषाधिकार को भी तत्काल प्रभाव से वापस लेने का निर्देश दिया।उच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश संसदीय सचिव (नियुक्ति, वेतन, भत्ता, शक्तियां, विशेषाधिकार और संशोधन) अधिनियम, 2006 को निष्प्रभावी घोषित कर दिया। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति नेगी ने कहा कि ये पद सार्वजनिक संपत्ति को हड़पने

वाले हैं और इनके तहत दी जाने वाली सभी सुविधाएं तत्काल प्रभाव से वापस ली जाएं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने मंत्रिमंडल के विस्तार से पहले आठ जनवरी 2023 को छह सीपीएस-अर्की विधानसभा क्षेत्र से संजय अवस्थी, कुल्लू से सुंदर सिंह, दून से राम कुमार, रोहडू से मोहन लाल बराकटा, पालमपुर से आशीष बुटेल और बैजनाथ से किशोरी लाल की नियुक्ति की थी।

झारखंड की पहचान बदलने की हो रही है साजिश: पीएम मोदी

गुमला, 13 नवम्बर। झारखंड में जहां एक ओर पहले दौर की वोटिंग हो रही है। वहीं, पीएम मोदी ने देवघर जिले के सारथ में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नेमान पर्व की आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। 2 दिन बाद ही हम धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जन्मजयंती का उत्सव मनाने का रहे हैं। ये उत्सव हिंदुस्तान के हर कोने में मनाया जाएगा और उससे पहले लोकतंत्र के इस उत्सव में आपने भी पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हर तरफ एक ही गूंज है: रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-NDA सरकार।

मोदी ने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का मतदान हो रहा है। रोटी-बेटी और माटी को बचाने का संकल्प आज हर बूथ पर दिख रहा है। भाजपा ने नारीशक्ति और नौजवानों के भविष्य के लिए जो गारंटियां दी हैं, उनके प्रति भारी समर्थन दिख रहा है। उन्होंने कहा कि संथाल का ये क्षेत्र भी इस बार नया इतिहास रचने के लिए तैयार है। संथाल में इस बार JMM-कांग्रेस का सूपड़ा साफ होना तय है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं बीते दिनों झारखंड में जहां भी गया, हर जगह विदेशियों की घुसपैठ को लेकर सबसे बड़ी चिंता रही है। झारखंडी गौरव और झारखंड की पहचान, आप सबकी ताकत रही है। अगर ये पहचान ही खत्म हो गई तो क्या होगा? पीएम ने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि संथाल क्षेत्र में आदिवासियों की संख्या करीब-करीब आधी रह गई है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे ही आदिवासी घटते रहे तो क्या होगा? आपके जल-जंगल और जमीन पर दूसरों का कब्जा हो जाएगा। हमें इस स्थिति से मेरे आदिवासी परिवारों को भी बचाना है और झारखंड को भी बचाना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज झारखंड की पहचान बदलने की बहुत बड़ी साजिश हो रही है। खटट-कांग्रेस सरकार में बाहर से आए घुसपैठियों को यहां का परमानेंट निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किए गए।

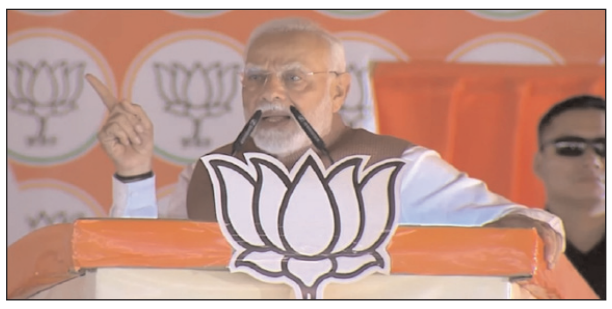

नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन घुसपैठियों के लिए रातों-रात पक्के कागज बनाए गए। आदिवासी बेटियों को शादी के नाम पर ठगा गया और उनकी जमीन हथिया ली गई। इन घुसपैठियों ने आपसे आपका रोजगार छीन लिया और आपकी रोटी भी छीन ली। लेकिन यहां की सरकार का रवैया देखिए। खटट सरकार ने कोर्ट में कह दिया कि झारखंड में कोई घुसपैठ हुई ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां स्थानीय निवासियों को पानी तक मिलना मुश्किल हो गया है। इसलिए इस चुनाव में रोटी-बेटी-माटी की सुरक्षा सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण मुद्दा है।

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें

पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
Physics Chemistry Biology
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in
NEET
a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

बढ़ते मधुमेह को नियंत्रित करने की वैश्विक चुनौती

-ललित गर्ग

विश्व मधुमेह दिवस- 14 नवम्बर, 2024

डायबिटीज यानी मधुमेह दुनियाभर में तेजी से बढ़ती ऐसी बीमारी है जो अन्य अनेक बीमारियों एवं शरीर की जर्जरता का कारण बनती है, जिसका शिकार हर उम्र के लोगों को देखा जा रहा है। जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें आंखों, किडनी, तंत्रिकाओं, शरीर की सुस्ती और हृदय से संबंधित कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती इस गंभीर और क्रोनिक बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने, इससे बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि डायबिटीज के मरीज साल-दर साल बढ़ते जा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 53 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी के शिकार हैं और अगले दो दशकों में रोगियों की संख्या 80 करोड़ के आंकड़े को छू सकती है। विश्व मधुमेह दिवस दुनिया की गंभीरतम बीमारियों में से एक होने की वजह से 160 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है और अपने जागरूकता अभियानों, उपचार तक बेहतर पहुंच की वकालत और मधुमेह से निपटने के लिए गुणवत्तापूर्ण सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से 100 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है।

इस वर्ष, इस दिवस की थीम है ह्यबाधाओं को तोड़ना, अंतरालों को पाटना। यह थीम लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर मधुमेह के प्रभाव पर प्रकाश डालती है और मधुमेह प्रबंधन-नियंत्रण-जागरूकता के महत्व पर भी जोर देती है और यह बताती है कि इसके लिये संतुलित, योगमय एवं गुणवत्ता जीवन कैसे इस बीमारी से लड़ने की शक्ति देती है। दरअसल, विश्व मधुमेह दिवस को 14 नवंबर को मनाने का मुख्य उद्देश्य सर फ्रेडरिक बैंटिंग को याद करना था। 1992 में सर फ्रेडरिक बैंटिंग ने चार्ल्स बेस्ट के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज की थी। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह फाउंडेशन (आईडीएफ) के अनुसार, 2021 में मधुमेह के कारण 67 लाख लोगों की मृत्यु हुई और अनुमान है कि उसी वर्ष 53.7 करोड़ (10 में से 1) लोग इस बीमारी के साथ जी रहे थे और अनुमान है कि यह संख्या 2030 में बढ़कर 64.3 करोड़ और 2045 तक 78.3 करोड़ हो जाएगी। यह तथ्य सामने आया है कि मधुमेह से प्रभावित 2 वयस्कों में से 1 यानी 44 प्रतिशत, लगभग 24 करोड़ लोग, अभी तक निदान नहीं करा पाये हैं, उनमें से अधिकांश टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं, जिसे कुछ जीवनशैली में बदलाव, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से रोका जा सकता है। असंतुलित जीवनशैली के कारण लगभग 54.1 करोड़ वयस्कों को टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का खतरा है।

डायबिटीज के होने एवं पनपने के अनेक कारण हैं, जिनमें सबसे बड़ा कारक फैमिली हिस्ट्री को माना जाता है। यानी कि यदि माता-पिता या भाई-बहन को टाइप-2 डायबिटीज है तो आपको भी मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। अधिक वजन या मोटापा डायबिटीज रोग के लिए एक मुख्य जोखिम है। अध्ययनों से पता चलता है कि मुख्यरूप से पेट पर फैट जमा होने से आपमें डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययकताओं ने पाया कि जो लोग अधिक मीठा खाते हैं उनमें पेट की चर्बी बढ़ने का खतरा रहता है। मोटापा से ग्रस्त लोगों में डायबिटीज की स्थिति हृदय रोग और अन्य जटिलताओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। विशेषज्ञ का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी डायबिटीज की जोखिम को बढ़ा देती है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम वजन और खेलकूद से वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। मधुमेह से बचे रहने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम जरूर करें। टाइप-2 डायबिटीज होने का जोखिम उन लोगों में अधिक होता है, जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मधुमेह का पता चलता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस अवधि में शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखने की सलाह देते हैं। गर्भावधि में मधुमेह के कारण ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहता है जिसका असर गर्भवती और बच्चे दोनों की सेहत पर देखा जाता है। डॉक्टर बताते हैं, भले ही दुनियाभर में सबसे ज्यादा मरीज टाइप-2 डायबिटीज के देखे जाते रहे हैं पर मधुमेह चार प्रकार का होता है। इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी समझना या युवावस्था में शुगर की समस्या को अनदेखा करना आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाला हो सकती है। बढ़े रहने वाले शुगर लेवल का असर हृदय और आंखों की सेहत पर भी पड़ सकता है, इसलिए डायबिटीज को हल्के में लेने की भूल नहीं की जानी चाहिए। डायबिटीज के मरीजों को अपने खाने पीने के अलावा नींद का भी ध्यान रखने की जरूरत होती है। कम नींद के कारण ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव हो सकता है। भोजन और एक्सरसाइज के अलावा नींद भी शरीर के लिए उतनी ही जरूरी होती है। नींद पूरी न होने से शरीर सुस्त हो जाता है और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में कार्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देता है। शरीर में जब शुगर का लेवल बढ़ता या घटता है तो नींद से जुड़ी समस्याएं होने लगती है। खासतौर पर टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों को हमेशा पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। यदि आपको देर रात तक जागने की आदत है या फिर आप देर रात तक जागकर काम करते हैं तो आपकी यह आदत आप पर भारी पड़ सकती है। अनियंत्रित मधुमेह हृदय संबंधी समस्याओं, तंत्रिका क्षति, गुर्दे की क्षति, पैर की क्षति, त्वचा संक्रमण, स्तंभन दोष, अवसाद, दंत समस्याओं जैसी घातक जटिलताओं को जन्म दे सकता है। चिकित्सा-विज्ञान की अपूर्व प्रगति के बावजूद मधुमेह जैसी जटिल एवं असाध्य बीमारी का राक्षसी-पंजा नियंत्रण से बाहर है, इसलिये व्यक्ति को खुद को खुद के प्रति जागरूक होना होगा।

मधुमेह का नियंत्रित करने के लिये योग-ध्यान-साधना-प्रातःभ्रमण की महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिक डॉ. घियोपोर ने बहुत पहले अपने अनुसंधान में बताया कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की साइकोलॉजी में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं। इसीलिये मधुमेह को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में मधुमेह रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह फाउंडेशन के अनुसार, यह अनुमान है कि लगभग 54.1 करोड़ वयस्कों को टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का खतरा है, जो कि दुनिया भर में सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गया है, ताकि जागरूकता कार्यक्रमों और गुणवत्ता वाले मधुमेह शैक्षिक प्लेटफार्मों को बढ़ावा देकर इस जोखिम को कम किया जाना चाहिए। हम देखते है कि पुरानी पीढ़ी के लोग जीवन के आठवें या नौवें दशक में भी स्वस्थ एवं स्वावलम्बी है। गांवों की स्थिति भी काफी सुखद है, मधुमेह रोगियों की संख्या वहां शहरों की अपेक्षा काफी कम है। इसका कारण है सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पधाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो मधुमेह को बढ़ाते हैं। अपेक्षा है आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाएं। मधुमेह से लड़ने के लिये संकल्प जगाये एवं प्रमाद त्यागे। संतुलित जीवन जीएं। तनावों-दबावों को अपने पर हावी न होने दे। सोचो, जिन्दगी मात्र जीने के लिये नहीं, स्वस्थता एवं सरसता से जीने के लिये हैं।

अलग प्रदेशों की मांग जोर पकड़ने से क्या पाकिस्तान के टुकड़े होंगे ?

अशोक भाटिया

पाकिस्तान में अलग -अलग देशों की लगातार मांग बढ़ रही है . पाकिस्तान के टूटने की शुरूआत साल 1971 में हो गई थी, जब भारत की मदद से बांग्लादेश बना. इसके बनने के पीछे भी 24 सालों का असंतोष था. उसके बाद सिंधुदेश की मांग व बलूचिस्तान की मांग ने पाकिस्तान के नाक में दम कर रखा है . पहले बात करें सिंधुदेश की मांग की तो इसको लेकर हालिया हुई रैली में प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई विश्व के कई बड़े नेताओं की तस्वीरें नजर आईं। प्रदर्शनकारियों ने सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग के मामले में विश्व के नेताओं से दखल देने की अपील की है ।सिंधु देश की मांग की कहानी 1947 से जुड़ी है। भारत को आजादी मिलने के बाद सिंधु क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया और पाकिस्तान के चार प्रांतों में से एक बन गया । अलग सिंधु देश की मांग 1967 से शुरू हुई जब पाकिस्तान सरकार ने यहां के निवासियों के ऊपर उर्दू भाषा थोप दी। यहां के लोगों ने इसका विरोध किया और इसके फलस्वरूप सिंधी अस्मिता का जन्म हुआ। इन्होंने अपनी भाषा और संस्कृति की दुहाई दी और लोगों को एकजुट किया. इस मुहिम में सिंधी हिन्दू और सिंधी मुसलमान दोनों शामिल हुए। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश। सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं। यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है। उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं।

भारत से अलग होकर 19 47 में बने पाकिस्तान के लिए समस्याएं कभी खत्म होने का नाम नहीं लेती हैं । दुनियाभर के कर्ज में डूबे पाकिस्तान में अगर आपको आने वाले कुछ वर्षों में गृहयुद्ध की स्थिति बनती दिखाई दे, तो चौंकने वाली बात नहीं होगी। उर्दू को पाकिस्तान की सरकारी भाषा बनाने की घोषणा के साथ ही पाकिस्तान में अलगाववाद के बीज पनपने लगे थे ।लोगों पर जबरदस्ती उर्दू भाषा थोपी गई। बांग्लाभाषी बहुल पूर्वी पाकिस्तान इसी फैसले के चलते अब अलग देश बनकर बांग्लादेश के रूप में आपके सामने है । वहीं, पाकिस्तान में अगस्त, 1947 के बाद से अब तक बनी सभी सरकारों ने मानवाधिकारों को एक अलग खूंटी पर टांग दिया। बात पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की हो या बलूचिस्तान या फिर सिंधु प्रांत की। पाकिस्तानी सरकारों ने इन सभी जगहों से उठने वाली आवाजों का वर्षों से दमन किया है ।पाकिस्तानी फौज के बलूचिस्तान में किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली एक्टिविस्ट करीमा बलोच की कनाडा में हुई हत्या इसका एक ताजा उदाहरण है।

फिलहाल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है. वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछे एक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था। हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है. ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है। साथ ही पाकिस्तान संसाधनों का दोहन और मानवाधिकारों के जमकर उल्लंघन करता है। जिये सिंध मुत्ताहिदा महाज के चेयरमैन मुहम्मद बरफात ने कहा कि हमारी संस्कृति और इतिहास पर हुए दशकों से जारी हमलों के बावजूद हमने अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को बचाकर रखा है। हम आज भी बहुलतावादी, सहिष्णु और सौहार्दपूर्ण समाज हैं, जो मानव सभ्यता को बचाकर रखे हुए है।

पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में अलगाववादी रैली में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नजर आने से पाकिस्तान की पेशानी पर फिर से बल पड़ सकते हैं। अब देखना यह है कि अलग सिंध देश की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकडे होंगे ? होंगे तो कितने होंगे ? सिंध देश यदि अलग बन जाता है तो वहां रहने वाले सिन्धी हिन्दुओं को इसका कितना लाभ मिल सकेगा ?

सिन्धु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने उसकी नाक में दम कर रखा है। आएदिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गए। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं ।दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा।

पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान की लीडर डॉ नायला कादरी हाल ही में हरिद्वार पहुंची। बलूच आजादी की मांग के चलते अपने ही देश से निर्वासित डॉ कादरी ने खुद को बलूचिस्तान की प्रधानमंत्री की तरह पेश करते हुए मां गंगा से अपने देश की आजादी की मांग की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान की सरकार बलूच लोगों पर जुल्म करती है। उनका कहना है कि गैस, कोयला, तांबा और कोयला जैसे कच्चे माल में बेहद संपन्न होने के बाद भी हमारा इलाका काफी गरीब है। यहां तक कि स्कूल और अस्पताल जैसी बेसिक जरूरतें भी वहां पूरी नहीं हो पा रहीं। पाकिस्तान ने अपने कर्ज चुकाने के लिए यहां की खदानों को चीन को लीज पर दे दिया। ये बलूच लोगों पर दोहरी मार थी। वे मानने लगे कि उन्हें पाकिस्तान और चीन दोनों मिलकल लूट रहे हैं। उनके गुस्से को हवा मिली, जब साल 2006 में मौजूदा सरकार उनके कबीलाई सिस्टम को ध्वस्त करने लगी। इसके बाद से बलूच आजादी की मांग हिंसक होने लगी। अब बागी अपने यहां रहते चीनियों को नुकसान पहुंचाकर पाकिस्तान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। कई बार चीनियों के ठिकानों पर वे हमला करते रहते हैं। इसके आलावा गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) का सबसे उत्तरी इलाका है। यहां पर भी लंबे समय से आजादी की मांग चल रही है। चरमपंथी संगठनों ने अपने देश का नाम भी तय कर रखा है- बलवारिस्तान यानी ऊंचाइयों का देश। ये इसलिए क्योंकि ये पूरा इलाका ही पहाड़ों और वादियों का है ।समय-समय पर यहां आंदोलन होते रहे। यहां के नेताओं का आरोप है कि पाकिस्तान का सबसे शानदार टूरिस्ट स्पॉट होने के बाद भी वो उन्हें ज्यादा प्रमोट नहीं करती। सरकारी योजनाएं भी यहां पूरी तरह से लागू नहीं होतीं। यही देखते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान की मांग होती रही। लेकिन सरकार लगातार इसके लीडर्स को खूनी संघर्ष में खत्म करती रही। इसके अलावा भी पूरे देश में छिटपुट हिस्सों में अलगाववाद पनपता रहा। यहां तक कि देश के विभाजन के कुछ समय बाद आए मुस्लिमों को भी वहां स्वीकारा नहीं जा रहा। ये लोग मुहाजिर कहलाते और योजनाओं से दूर रखे जाते हैं। ये भी मुहाजिर सूबे की मांग बीच-बीच में कर लेते हैं। वैसे ये उस तरह के एक्सट्रीम नहीं हैं, जिनपर पाकिस्तान परेशान रहे। अफगानिस्तान में तालिबान आने के बाद से पाकिस्तान का डर और बढ़ा क्योंकि यहां मौजूद पश्तून आबादी अफगानिस्तान का हिस्सा बनने की बात करती आई है। अगर ऐसा हुआ तो लगभग पूरा खैबर पख्तूनख्वा अलग हो जाएगा और पाकिस्तान को टुकड़ों झ्र टुकड़ों में बनने से कोई रोक नहीं सकता ।

आप भी बन सकते हैं चाचा चौधरी

-उमेश कुमार सिंह

एक सवाल आता कि चाचा चौधरी का दिमाग कंप्यूटर से ज्यादा तेज आखिर क्यों चलता है? कैसे चलता होगा? क्या हमारा भी हो सकता है? आखिर वह क्या गुण है जो हमें भी मिल जाए और आखिर वह क्या रहस्य है जो हम भी जान जाए, तो हमारा दिमाग भी हो सकता है चाचा चौधरी जैसा, यानी हर मुश्किल को इतनी सहजता से लेना और इतनी आसानी से सॉल्व कर देना। शरीर से दुबले पतले एक बुजुर्ग चाचा जी के सामने पहाड़ जैसी विकराल मुसीबतें टिक नहीं पातीं, क्योंकि उनका दिमाग गजब का है। अगर ऐसा दिमाग अपना हो जाए तो मजा आ जाए।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि दिमाग ही दुनिया में हमें सफल बनाने का माध्यम है हमें भगवान द्वारा दिया गया सबसे बड़ा उपकरण है जैसे शरीर पर काम करने से व्यायाम करने से शरीर मजबूत और शक्तिशाली बन सकता है। अगर दिमाग पर काम किया जाए, दिमाग के व्यायाम किया जाए, दिमाग की मशक्कत की जाए और दिमाग को तेज करने वाले रहस्य ढूँढ कर उन्हें सीखा जाए समझा जाए और दिमाग में रखा जाए तो दिमाग भी शक्तिशाली बन सकता है। आखिर जिंदगी में हर समस्या का समाधान कौन ढूँढता है दिमाग, जिंदगी में दो ही तो चीजें हैं हमारे पास, समस्या और समाधान है। समस्या एक परिस्थिति है और समाधान एक प्रतिक्रिया है। हमारे सामने स्थिति होती है और हमें उसे प्रतिक्रिया देनी होती है और यह प्रतिक्रिया हम अपने दिमाग की क्षमता के अनुसार देते हैं। हमारा व्यवहार कैसा है हमने क्या सीखा है हमारे दिमाग का आईक्यू लेवल क्या है हमारी समझ कैसी है हमारी प्रतिक्रिया उसी पर निर्भर करती है। और कुल मिलाकर दो तरह की प्रतिक्रिया होती है एक स्वाभाविक और एक नियंत्रित। स्वाभाविक प्रतिक्रिया हर प्राणी में एक जैसी होती है। जानवर स्वाभाविक प्रतिक्रिया देते हैं पर इंसानों के दिमाग में खूबी है कि वह अपनी प्रतिक्रियाओं को ट्रेंड कर सकता है, उन्हें प्रशिक्षण दे सकता है, उन्हें कंट्रोल कर सकता है और नियंत्रित प्रतिक्रिया दे सकता है, और नियंत्रित प्रतिक्रिया ही सफलता और सुख का सबसे बड़ा रहस्य है, सूत्र है, आधार है। डायमंड बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक आप भी बन सकते है चाचा चौधरी जिसके लेखक डा.विनोद शर्मा है। डा. विनोद शर्मा गिनीज विश्व रिकार्डधारी, प्रख्यात स्मृति प्रशिक्षक, विश्वप्रसिद्ध मस्तिष्क विज्ञान विशेषज्ञ, टेड एक्स स्पीकर, ब्रेन साइंस लैब के अविष्कारक और ब्रेनीवुड फाउंडेशन के अध्यक्ष है।

चाचा चौधरी के दिमाग की खासियत यही तो थी कि वह नियंत्रित प्रतिक्रिया देते थे। वह तुरंत विश्लेषण करके, मूल्यांकन करके और उस स्थिति को समझकर सबसे आदर्श, सबसे श्रेष्ठ और सबसे उत्तम प्रतिक्रिया दे सकते थे और यह वह गुण है जो सब में आ जाए या हर कोई सीख ले तो आनंद आ जाए। तो जीवन सरल और अपने अनुकूल हो जाए, जीवन में सुख और खुशियाँ भी हमारे नियंत्रण में आ जाए।

चाचा चौधरी कठिन से कठिन समस्या को आनंद से लेते थे और मुश्किल परिस्थितियों में वह अपने दिमाग का बेहतरीन इस्तेमाल करके समाधान खोजते थे उन्हें अवसर की तरह लेते थे हर बार कुछ ना कुछ सीखते और आगे बढ़ते चले जाते और यह दिमागी प्रतिक्रिया उनके तेज दिमाग का बहुत बड़ा सिंबल बनी और हमेशा यह सुनने को मिला कि चाचा चौधरी का दिमाग कंप्यूटर से ज्यादा तेज चलता है।

कंप्यूटर का काम क्या है सूचनाओं को इकट्ठा करना सूचनाओं को एकत्रित करना और फिर उन्हें प्रक्रिया करके उसे फंक्शन में बदलना यानी वह पहले इनफॉरमेशन को रिसीव करेगा और उसके बाद उसे अलग-अलग सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रतिक्रियाओं में फंक्शन में रिएक्शन में बदलेगा इंसान का दिमाग भी ऐसा ही है वह कई तरह से सूचना इकट्ठी करता है वह हमारे सेंसेज ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से जैसे कि स्पर्श है गंध है। श्रव्य यानी सुनना और दृश्य यानी देखना है या स्वाद है, इन माध्यमों से सूचना इकट्ठी करता है उसके बाद हमारे व्यवहार हमारे आज तक की लर्निंग हमारा आईक्यू लेवल या हमारी सोच और समझ के हिसाब से उन सूचनाओं को प्रक्रिया से गुजारता है, कोई ना कोई प्रतिक्रिया देता है कहीं ना कहीं स्टोर करके उन्हें काम में आने लायक बनाने का आदेश देता है परंतु आपके दिमाग का स्तर कैसा है उस पर आपके फंक्शन और आपकी प्रतिक्रियाएँ बहुत निर्भर करती हैं ।

दिमागी स्तर को शक्तिशाली और तेज बनाने के लिए ही हमें चाचा चौधरी से कई बातें सीखने को मिलती हैं और इस पुस्तक में ऐसी कई बातें जो उनके जीवन से छोटा बच्चा, पढ़ने वाला विद्यार्थी, परिवारजन माता-पिता और एक आम इंसान सीख सकता है को संकलन करने की कोशिश की गई है।

प्रयास है कि चाचा चौधरी जैसा दिमाग अगर हमारे आने वाली पीढ़ी को मिले आने वाले बच्चों को मिले और उनकी पढ़ाई में जो समस्याएँ हैं उनका समाधान उसे दिमाग से मिले और जीवन में आने वाले हर चौलेंज को अगर एक जबरदस्त मोटिवेशन मिले और समाधान मिले तो हर बच्चा और हर इंसान चाचा चौधरी जैसी सोच दृष्टिकोण और व्यवहार विकसित कर सकता है, अच्छी आदर्श और नियंत्रित प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं कई समस्याओं को समाधान मिल सकता है और एक उत्तम प्रगतिशील और आदर्श समाज और राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। यह पुस्तक चाचा चौधरी के जीवन को आदर्श मानते हुए उनसे कई सीख लेते हुए चाचा चौधरी के रचयिता श्री प्राण कुमार शर्मा साहब को नमन करते हुए सभी पाठकों को जिन्होंने आज तक चाचा चौधरी की कॉमिक्स पढ़ी हैं उनको, हमारे आदर्श डायमंड बुक्स के चेयरमैन श्री नरेंद्र कुमार वर्मा जी और सम्पूर्ण डायमंड बुक्स को समर्पित है। खासतौर पर विद्यार्थियों, पढ़ने वाले बच्चों और परिवार जनों के लिए चाचा चौधरी के जीवन से मिलने वाली प्रेरणाओं और शिक्षाओं को एक पुस्तक के माध्यम से जानने की कोशिश है। आइए आनंद लेते हैं समझते हैं और प्रयास करते हैं चाचा जी के जीवन चरित्र और व्यक्तित्व को जीवन में उतारने का और एक कोशिश करते हैं कि, क्या हमारा भी हो सकता है चाचा चौधरी जैसा दिमाग।

धर्म परिवर्तन : ईश्वर और आस्था को लेकर टकराव

धर्म आज वोट खींचने का एक बड़ा साधन बनता जा रहा है क्योंकि हमारे राजनीतिक अन्नदाता धर्म परिवर्तन के मुद्दे को भुना रहे हैं और यह इस बात को रेखांकित करता है कि आज राजनीतिक चर्चा धार्मिक भावनाओं को भड़काने, घृणा फैलाने और धार्मिक आधार पर सांप्रदायिक मतभेद को बढ़ाने तक सीमित रह गई है। गत वर्षों में धर्म परिवर्तन के मुद्दे का सर्वाधिक इस्तेमाल किया गया और यह सर्वाधिक विस्फोटक सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा बना है। इस मुद्दे के चलते एक चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई क्योंकि हमारे नेतागण इसका इस्तेमाल करते हैं। इस संबंध में हमारे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि यदि भाजपा महाराष्ट्र में सत्ता में आती है तो वह जबरन धर्म परिवर्तन के विरुद्ध कठोर कानून लाएगी।

राजस्थान, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात जैसे 5 राज्यों ने पहले ही धर्म परिवर्तन विरोधी कानून पारित किए हैं। झारखंड ने भी ऐसा ही कानून पारित करने की मंशा जताई है। किसे दोष दें? हमारे नेता राजनीतिक निर्वाण के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियां पैदा कर रहे हैं, जिसके चलते सांप्रदायिक मतभेद बढ़ रहा है। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया है किवह हिन्दू बहुसंख्यकवाद सांप्रदायिक राजनीति कर रही है और इसके लिए वह चुनावी दृष्टि से हाशिए पर खड़े मुसलमानों का इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है और इस तरह लव जिहाद जैसे भावनात्मक मुद्दों पर सांप्रदायिक हिंसा को संरक्षण दे रही है। हिन्दुत्व ब्रिगेड अपने विरोधियों को मुस्लिम पार्टी और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्य बता रही है, जो आतंकवादियों को संरक्षण देते हैं और पाकिस्तान के एजेंडा पर काम कर रहे हैं और पाकिस्तान की पार्टियां हैं। धर्म परिवर्तन निरंतर जारी है। विशेषकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में प्रलोभन, नकदी, अंतर-धर्म विवाह आदि के माध्यम से अनुसूचित जातियों/जनजातियों का।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन संशोधन विधेयक 2024 पारित करने के बाद चर्चों पर छापे मारे और उसके सदस्यों पर धर्म परिवर्तन का आरोप लगाया। झारखंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरे क्षेत्र को ईसाइयत मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और हाल ही में 53 परिवारों का पुनः हिन्दू धर्म में परिवर्तन कराया। हिन्दू जागरण मंच का आरोप है कि भोपाल और केरल से आए ईसाई पादरी अशिक्षित आदिवासियों को रोजगार और धर्म का प्रलोभन देते हैं। उनकी शर्त यह है कि वे उसकी चंगाई सभा में ईसाई धर्म को स्वीकार करें। अनेक चर्चों को अपने अमरीका स्थित मुख्यालय से भारी धनराशि प्राप्त होती है और उन्होंने तमिलनाडु में सैंकड़ों हिन्दुओं को ईसाई बना दिया है। उल्लेखनीय है कि ईसाई धर्म को अपनाने वालों में 77 प्रतिशत हिन्दू हैं और उनमें से 63 प्रतिशत महिलाएं हैं। विश्व हिन्दू परिषद के एक नेता का कहना है कि प्रत्येक वर्ष 12 लाख हिन्दू या तो मुस्लिम बन जाते हैं या ईसाई और मध्य प्रदेश, राजस्थान, छततीसगढ, झारखंड, गुजरात और ओडिशा में घर वापसी आंदोलन चलाया जा रहा है।

वर्ष 1967-68 में ओडिशा और मध्य प्रदेश द्वारा बनाए गए धर्म परिवर्तनरोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को स्वीकार करते हुए न्यायालय ने कहा था कि धोखाधड़ी और जबरन धर्म परिवर्तन एक गंभीर मुद्दा और बहुत ही खतरनाक है, जो अंततः राष्ट्र की सुरक्षा, धर्म की स्वतंत्रता और नागरिकों की चेतना को प्रभावित कर सकता है। प्रत्येक नेता का एक ही इरादा है कि अपने वोट बैंक को भावनात्मक रूप से उकसाए रखे, ताकि उनके मंसूबे पूरे हो सकें। वे इस बात की परवाह नहीं करते कि इससे देश को नुकसान हो रहा है। क्या इससे पंथ के आधार पर लोगों में और अधिक मतभेद और इससे देश में धर्म के आधार पर खाई और चौड़ी नहीं होगी? इस तरह से ये नेता एक दानव पैदा कर रहे हैं।

दूसरी ओर विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने भी सशस्त्र युवाओं के समूह बनाए हैं, जिन्हें रक्षा सेना कहा जाता है और वे ईसाई धर्म में परिवर्तन को रोकने के लिए कार्य करते हैं। भारत का दुर्भाग्य यह है कि यहां पर हिन्दू, मुस्लिम और ईसाई कट्टरवाद बढ़ रहा है और इसका कारण राजनीतिक और बौद्धिक दोगलापन है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जो व्यक्ति लोगों में और समुदायों में घृणा फैलाते हैं उन्हें कोई स्थान नहीं दिया जाना चाहिए, चाहे वह हिन्दू मसीहा हो या मुस्लिम मुल्ला। हमारा नैतिक आक्रोश चयनात्मक नहीं, अपितु न्यायसंगत, समान और सम्माननीय होना चाहिए। हमारे नेतागण यह स्वीकार नहीं करना चाहते कि वे इसके लिए दोषी हैं और न ही वे इस मूल मुद्दे का निराकरण करना चाहते हैं। इसलिए वे हिन्दू पुजारियों, ईसाई मिशनरियों या मुस्लिम मुल्लाओं द्वारा दिए गए धन को स्वीकार लेते हैं।

रोचक तथ्य यह है कि भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और अल्जीरिया में भी धर्म परिवर्तन रोधी कानून है। संयुक्त अरब अमीरात में इस्लाम से किसी व्यक्ति का धर्म परिवर्तन कराना अवैध है और इस्लाम धर्म को छोड़ा अपराध है जिसके लिए मृत्यु दंड का प्रावधान है। अल्जीरिया में इसके लिए 5 वर्ष और भूटान में 3 वर्ष की सजा का प्रावधान है। हमारे नेताओं, पार्टी और उनसे जुड़े संगठनों को यह बात समझनी होगी कि उनके कार्यों से हो रहा नुकसान स्थायी है। कुल मिलाकर हमारे राजनेताओं को यह बात समझनी होगी कि राष्ट्र दिलों और दिमागों का मिलन है और उसके बाद यह एक भौगोलिक इकाई है। हमारे नेताओं को धर्म परिवर्तन के नफे-नुकसान का विश्लेषण करना और धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए करने से बचना चाहिए।- पूनम आई. कौशिश

जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग क्यों अलापा जा रहा है?

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है। वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक कानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा।

भिवंडी पश्चिम विधानसभा महायुति के भाजपा प्रत्याशी महेश चौगुले को मिल रहा भारी जन समर्थन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी पश्चिम विधानसभा महायुति के भाजपा प्रत्याशी महेश चौगुले को मिल रहे भारी जन समर्थन से भाजपा की स्थित मजबूत होती जा रही है । भाजपा के चुनावी प्रचार में जहां मतदाताओं का भारी जन समर्थन मिल रहा वहीं राजनीतिक पार्टियों का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है । नझराना कंपाउंड रहवासियों द्वारा एक जनसभा आयोजित की गयी जहां नझराना कंपाउंड रहवासियों के साथ भिवंडी जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल , अशोक जैन , कल्पना शर्मा , विकास बाफना , मनीषा भांगरे , राजेश गायकर सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे । इसी तरह मनसे ने अपना समर्थन जताते हुए एक सभा का आयोजन किया जिसमें मुख्य रुप से एडवोकेट सिद्धार्थ खाने , एडवोकेट शैलेन्द्र करले , अनिल यवार , कुमार पुजारी , अनिकेत जाधव , सुशील आवटे आदि लोगों की उपस्थिति रही है ।

स्नेहा दुबे ने स्कूल में शिक्षकों से की मुलाकात

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। 133 वसई विधानसभा प्रत्याशी स्नेहा दुबे ने कहा है कि हर व्यक्ति के जीवन में शिक्षक एक अहम कड़ी होता है। मेरा न्यू इंग्लिश स्कूल टीचर मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग है जो जीवन को आकार, समर्थन, असीमित ज्ञान देता है और पढ़ाते समय आपको आकाश छूने की शक्ति देता है। टुडे न्यू इंग्लिश स्कूल मेवसई स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ सद्भावना बैठक की। कई वर्षों के बाद टीचर से दिल से दिल की बात हुई। आगामी चुनाव के लिए शिक्षकों का आशीर्वाद लिया गया। एक छात्र के रूप में, आज वसई विधानसभा के लिए भाजपा-महायुति के उम्मीदवार के रूप में शिक्षकों के सामने जाकर मुझे बहुत खुशी मिली।

जेलियो ईबाइक्स ने X-MEN 2.0 लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया

मुंबई। जेलियो ईबाइक्स, जो भारत के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में अग्रणी है, ने अपने लोकप्रिय X-MEN सीरीज के उन्नत संस्करण X-MEN 2.0 को लॉन्च किया है। बेहतर फीचर्स और अधिक कुशलता के साथ, X-MEN 2.0 को आधुनिक शहरी यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जिसमें स्कूल और कॉलेज के छात्र, ऑफिस जाने वाले और अन्य शहर में यात्रा करने वाले लोग शामिल हैं जो एक भरोसेमंद, पर्यावरण-हितैषी और स्टाइलिश राइड की तलाश में हैं। X-MEN 2.0 चार विभिन्न वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जो विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त है। इसमें लीड-एसिड बैटरी वेरिएंट में 60V 32AH: कीमत रु. 71,500 और 72V 32AH: कीमत रु. 74,000 तथा लिथियम-आयन बैटरी वेरिएंट में 60V 30AH: कीमत रु. 87,500 और 74V 32AH: कीमत रु. 91,500 उपलब्ध होंगे। X-MEN 2.0 शानदार प्रदर्शन प्रदान करता है, जिसमें 25 किमी/घंटा की अधिकतम गति और एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर तक की रेंज है। इसका 60/72श इछछ मोटर प्रति चार्ज केवल 1.5 यूनिट बिजली की खपत करता है, जो इसे अत्यधिक ऊर्जा-कुशल बनाता है। 90 किलोग्राम के कुल वजन और 180 किलोग्राम की लोडिंग क्षमता के साथ, -टाप्ठ 2.0 को दैनिक यात्रा की मांगों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। चार्जिंग का समय बैटरी प्रकार के आधार पर अलग-अलग है, जिसमें लिथियम-आयन मॉडल को पूरा चार्ज होने में 4-5 घंटे लगते हैं और लीड-एसिड मॉडल को 8-10 घंटे लगते हैं। यह स्कूटर चार जीवंत कलर ऑप्शन्स में उपलब्ध है, जिसमें हरा, सफेद, सिल्वर और लाल रंग शामिल हैं, जिससे सवार अपनी शैली व्यक्त कर सकते हैं। जेलियो ईबाइक्स के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक, श्री कुणाल आर्या ने कहा, ढलो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है क्योंकि अधिक से अधिक उपभोक्ता कुशल, पर्यावरण-हितैषी शहरी परिवहन के लाभों को पहचान रहे हैं।

इस वर्ल्ड डायबिटीज डे पर अपनी रोजाना की डाइट में बादाम को शामिल करें और ब्लड शुगर लेवल पर लगाम लगाएं

मुंबई/पटना। हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में डायबिटीज को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाती है और इसकी अच्छे से देखभाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाता है। भारत, जिसे ़दुनिया की डायबिटीज कैपिटल़ के रूप में जाना जाता है, एक बढ़ती चुनौती का सामना कर रहा है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि 101 मिलियन भारतीयों को डायबिटीज है, जबकि 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं। यह खासतौर से हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में बदलाव लाकर, डायबिटीज की असरदार प्रबंधन रणनीतियों को अपनाने के महत्व को उजागर करता है। डायबिटीज को काबू में रखने का एक तरीका यह भी है कि हमें बादाम जैसे पौष्टिक फूड को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। बादाम में 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जिनमें प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और डाइटरी फाइबर शामिल हैं। ये पोषक तत्व ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने में मदद करते हैं। शोध से पता चला है कि बादाम खाने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। खासकर टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए यह बहुत फायदेमंद होता है। बादाम खाने से कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल तेजी से नहीं बढ़ता है।

हिंदी साप्ताहिक जगत भारती समाचार पत्र का रजत जयन्ती समारोह सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक ़जगत भारती़ का प्रकाशन 12 नवंबर 1999 को शुरू हुआ था।जिसकी 25 वी वर्षगांठ मंगलवार को यहाँ की थीम कॉलेज में मनाई गई । इस मौके पर जगत भारती के 25वें विशेषांक का विमोचन मंगलवार को मान्यवरों के हाथो से किया गया। इस रजत जयंती समारोह के आयोजन पर मुख्य अतिथि मुंबई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता भगीरथ पोंदा के साथ मंच पर विशेष अतिथि के तौर पर थीम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के संचालक शरीफ थीम, जगत भारती के संपादक आशाद बी. शेख, बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, वी.न्यूज के सम्पादक बलवीर वैद और एकता सामाजिक संस्था की अध्यक्षा शमीम शेख उपस्थित रहे। इस दौरान मंच पर उपस्थित मान्यवरों के द्वारा जगत भारती के 25वें विशेषांक का विमोचन किया गया और केक काट कर सम्पादक मंडल को शुभकामनाएं दी गयी । इस विशेष कार्यक्रम में बोईसर के वरिष्ठ पत्रकार पंकज राऊत, मोहन म्हात्रे, जावेद लुलानिया, इमरान मेमन, राजेंद्र छीपा, उमाकांत भारती, सम्पत उजाला, नागनाथ बाबर, सुशांत संखे, दुर्गेश पाठक, एम. के. अंसारी, राजेंद्र मोरे, स्वप्निल संखे, विकास सिंह, रविन्द्र धाबाडे, प्रवीण पाटील, अजीत सिंह, जयप्रकाश जायसवाल, सुरेश पाटील, ए.के पाण्डेय, जब्बार भाई, प्रसिद्ध कवि दीपक श्रीवास्तव़दीप़,अन्य मान्यवरों में राजीव सक्सेना,बोईसर के पूर्व उपसरपंच प्रवीण संखे, असलम शाह, मुकर्रम खान, रंजना पांडे, प्रतीक्षा पाटील, राजन, मकसूद खलीफा, गुलजार खलीफा, जाहिर खलीफा, सुरेंद्र सिंह, पाल घरभरन, लुत्फर खान, लालाबाबू, मारूफ शेख सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन मोहम्मद अरफा शेख ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता भागीरथ पोंदा ने कहा कि 25 वर्षों तक साप्ताहिक जगत भारती अखबार का लगातार प्रकाशित होना काफी जटिल कार्य है और प्रकाशन को जगत भारती करने में सफल रहा। वे आगे बोले कि जगत भारती के संपादक ने कड़े प्रयासों, मेहनत और लगन के साथ यह 25 वर्ष बिताए इसका मुझे निजी अनुभव है। बोईसर जैसे छोटे से गांव से साप्ताहिक अखबार प्रकाशित करना वर्ष 1999 में काफी कठिन था। लेकिन श्री शेख ने उसे कर दिखाया और आज प्रकाशन के लगातार 25 वर्ष पूरे होने पर जश्न मनाया जा रहा है यह खुशी की बात है। अधिवक्ता भागीरथ ने सम्पादक श्री शेख को बधाई दी। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित बोईसर-पालघर पत्रकार संघ(रजि.) के अध्यक्ष व ़बोईसर समाचाऱ के सम्पादक रामप्रकाश निराला ने अपने सम्बोधन में पत्रकारिता जगत में स्थानीय अखबार निकालना कितना कठिन है इस बात पर प्रकाश डाला और इस कठिन काम को पूरा करने में जगत भारती आज सक्षम रहा इस पर प्रशंसा की।श्री निराला ने पिछले 25 वर्षों से जगत भारती समाचार पत्र का लगातार प्रकाशन शुरू रहना अपने आप में गौरव की बात बताया। मंच पर उपस्थित विशेष अतिथि थीम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के उपसंचालक शरीफ थीम ने कहा कि अखबार जगत में कदम रखने के बाद लगातार प्रकाशित होने वाले बोईसर के जगत भारती हिंदी साप्ताहिक की कड़ी मेहनत को देखते हुए वह काफी प्रसन्न हैं और उन्होंने कहा कि हर पत्रकार अपने आप में एक महत्व रखता है और पत्रकारों की दुनिया में जगत भारती ने अपने प्रकाशन के 25 वर्ष पूरे किये इस बात पर उन्हें उन्हे प्रसन्नता है ।

इस दौरान आए हुए कई पत्रकारों ने जगत भारती के संपादक आशाद शेख को पुष्पगुच्छ और उपहार देकर बधाई दी।एकता सामाजिक संस्था की ओर से अध्यक्ष शमीम शेख, उपाध्यक्ष खान, कोषाध्यक्ष रंजना पांडे, कार्यकारिणी सदस्य प्रतीक्षा पाटील ने जगत भारती के संपादक आशाद शेख को शाल, उपहार और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

जिले में संगठित प्रचार तंत्र से मिलेगी महागठबंधन को बड़ी सफलता : मोईज शेख

पालघर(उत्तरशक्ति)। भाजपा नेता मोईज शेख ने विश्वास व्यक्त किया कि महागंठबंधन में शामिल तीनों दलों भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की प्रचार व्यवस्था के कारण पालघर जिले में महागठबंधन को सफलता मिलेगी। 12 नवंबर को दहानू में हुई उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की विशाल जनसभा के बाद दहानू की राजनीतिक हवा बदल गई है। पालघर जिले के अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में महायुति के घटक दल बहुत सामंजस्यपूर्ण ढंग से काम कर रहे हैं और इसके कारण महायुति को जिले में बड़ी सफलता मिलेगी। भाजपा के प्रेरणास्त्रोत युवा एवं ऊजार्वान जिला अध्यक्ष भरत राजपूत ने खुद को प्रचार में झोंक दिया है। उनके साथ कई प्रमुख कार्यकर्ता लगातार प्रचार में जुटे हुए हैं। शेख ने कहा कि ऐसी स्थिति है कि महाविकास आघाड़ी के कुछ प्रमुख उम्मीदवारों को कई निर्वाचन क्षेत्रों में बड़ा झटका लगेगा। इस चुनाव में महिला मतदाताओं में काफी जागरूकता आई है और मुख्यमंत्री लाडकी बहिण योजना के कारण महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। पालक मंत्री रवींद्र चव्हाण के नेतृत्व में जिले की चार लाख से अधिक गरीब और जरूरतमंद महिलाओं को इसका लाभ मिला है और पहली बार हर महीने नकद देने का भरोसा जताया। मोईज शेख ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को बड़ी सफलता मिलेगी।

कालीना विधानसभा की जनता का अमरजीत सिंह पर बढ़ा भरोसा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति और महाविकास आघाड़ी के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों गठबंधन के नेता पूरी ताकत से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। कालीना विधानसभा सीट पर महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। उम्मीदवार घोषित होने के बाद से ही अमरजीत सिंह रोजाना अपने समर्थकों के साथ चौकसभा और पद यात्रा कर रहे हैं और झुग्गी झोपड़ियों और सोसाइटियों में जाकर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि विधायक बनने के बाद क्षेत्र की सभी समस्याओं को दूर किया जाएगा।

बुधवार सुबह अमरजीत सिंह ने अपने समर्थकों के साथ वार्ड नंबर 166 न्यू मेल रोड म्हाडा वसाहत, राजे छत्रपति शिवाजी मैदान, रामदास चौक से लेकर गफूर खान स्टेट तक पदयात्रा निकाली, जबकि शाम को रामदास चौक से पदयात्रा की शुरूआत हुई और मक्का बाबा प्रतिष्ठान आशा बाई चाल तक चली। पदयात्रा के दौरान अमरजीत सिंह ने मतदाताओं से मुलाकात कर अपने लिए समर्थन मांगा।

अमरजीत सिंह ने मतदाताओं से कहा कि पिछले 10 साल से क्षेत्र का विकास कार्य ठप्प पड़ा हुआ है।मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि आपके द्वारा चुने जाने के बाद विकास कार्य को आगे बढ़ाने का काम करूंगा। क्षेत्र में दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है, इसे तत्काल रोकने और पानी सप्लाई करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने का काम करूंगा। पदयात्रा से पहले अमरजीत सिंह ने महिला पदाधिकारी और कार्यकताओं के साथ संवाद साधा। इस दौरान योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह मौजूद थे। उन्होंने महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा शुरू की गए योजनाओं को जानकारी दी। इसमें महायुति सरकार की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहन योजना शामिल है।

समाजवादी पार्टी के भिवंडी पूर्व के उम्मीदवार रईस शेख व पश्चिम के उम्मीदवार रियाज आजमी के प्रचार में धर्मेन्द्र यादव

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी पूर्व प्रत्याशी रईस शेख व पश्चिम प्रत्याशी रियाज आजमी के चुनावी प्रचार की तीन सभाएं संपन्न की गयी । बतादें कि पहली सभा कल्याण नाका के घूंघटनगर में संपन्न हुयी जहां भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी । दूसरी सभा दीवान शाह दरगाह के पास समाजवादी पार्टी के पश्चिम विधानसभा के चुनावी प्रचार कार्यालय पर संपन्न हुयी । तीसरी सभा रामनगर गायत्री नगर में संपन्न की गयी । इस अवसर पर गोपालपुर आजमगढ़ के विधायक नफीस अहमद , महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह , महाराष्ट्र प्रभारी ऊमेर जलाल , महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव , राकापा अध्यक्ष शोयेब गुड्डू , तेजस पाटिल , सुरेश पाटिल , शिवसेना शहर प्रमुख प्रसाद पाटिल , अब्दुस्सलाम नोमानी , जलीस आजमी , महिला सचिव जीनत , डा. एन एल यादव , चन्द्रभान यादव , भिवंडी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नासिर जावेद व उनकी पूरी टीम आदि के साथ भारी संख्या में लोग उपस्थित थे । सभा को संबोधित करते हुए आजमगढ़ से सांसद धर्मेन्द्र यादव ने शिंदे सरकार को घेरते हुए कहा कि यह सरकार जोड़ तोड़ की भ्रष्टाचार की सरकार है इस सरकार को उखाड़ फेकना है । उन्होंने कहा कि महाविकास आघाडी की सरकार बनती है तो महिलाओं को 3 हजार रुपये प्रतिमाह देगी सरकार इसी तरह बेरोजगार युवाओं को 4 हजार रुपये बेरोजगार भत्ता प्रतिमाह दिया जायेगा।

दुर्घटना पीड़िता चार वर्षीय अनन्या पेडनेकर को इम्पैक्ट गुरु फंडरेजर से मिली सहायता

मुंबई। सामुदायिक एकता का एक दिल छू लेने वाला उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, इम्पैक्ट गुरु पर एक फंडरेजिंग अभियान ने मात्र 48 घंटों में चार साल की अनन्या पेडनेकर के तात्कालिक चिकित्सा उपचार के लिए 20 लाख रुपये से अधिक राशि जुटाने में सफलता प्राप्त की है। यह बच्ची वर्तमान में अपोलो अस्पताल, बेलापुर के पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही है। हाल ही में एक दुखद सड़क दुर्घटना में अनन्या के पिता की मौत हो गई थी और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हैं। यह भयावह घटना 7 नवंबर, 2024 को हुई, जो कि स्नेहा पेडनेकर का 34वां जन्मदिन मनाने का अवसर था। पाम बीच रोड पर ड्राइव करते समय, उनकी रेनो क्विड को पीछे से एक तेज रफ़्तार महिंद्रा थार एसयूवी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अनन्या के पिता, मनीष पेडनेकर (40) की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि स्नेहा और अनन्या को जानलेवा चोटें आईं। इस त्रासदी के बाद, अनन्या की मौसी, समता गौड़ ने उसके इलाज के लिए आवश्यक चिकित्सा खर्च को पूरा करने के लिए इम्पैक्ट गुरु पर एक फंडरेजिंग अभियान शुरू करने की पहल की। इस अभियान के प्रति प्रतिक्रिया असाधारण रही है। मात्र दो दिनों में 572 दयालु दाताओं ने ?20 लाख से अधिक का योगदान दिया, जिससे संकट के समय में सामुदायिक समर्थन का गहरा प्रभाव देखने को मिला। इस अभियान से जुटाई गई राशि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए अपोलो अस्पताल ने सभी फंडरेजिंग शुल्क माफ किए गए हैं। दान किया गया हर एक रुपया अनन्या के इलाज के लिए प्रयोग होगा। अनन्या की चिकित्सा स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। उसने अपने जबड़े की एक बड़ी सर्जरी कराई है और अगले कुछ हफ्तों में उसे और भी सर्जरी की आवश्यकता होगी।

बीएनसी मोटर्स ने बी2बी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए मूविंग के साथ साझेदारी की और दिल्ली में नया कोको डीलरशिप लॉन्च किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत के इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) उद्योग में अग्रणी बीएनसी मोटर्स ने इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाते हुए दिल्ली में एक नई कंपनी-ओन्ड कंपनी-ऑपरेटेड (कोको) डीलरशिप लॉन्च की है। यह एक एक्सपीरियेंस सेंटर है, जो 286, मेन रोड, ब्लॉक ए, विश्वकर्मा कॉलोनी, पुल पहलाद पुर, नई दिल्ली में स्थित है। यह इलेक्ट्रिक फ्लीट लॉजिस्टिक्स में अग्रणी मूविंग और उत्तर भारत में दूसरे इलेक्ट्रिक फ्लीट ग्राहकों के लिये सर्विस तथा ऑपरेशन का एक महत्वपूर्ण केंद्र होगा।

यह डीलरशिप इलेक्ट्रिक गाड़ियों के सक्षम परिचालन में सहयोग देने और बी2बी ग्राहकों के लिये रख-रखाव, परिचालन सहयोग एवं फाइनेंसिंग के लचीले समाधान जैसी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिये बीएनसी मोटर्स की प्रतिबद्धता दिखाती है। यह फैसिलिटी मूविंग और दूसरे व्यवसाय भागीदारों के लिये काम करेगी, ताकि उनकी इलेक्ट्रिक गाड़ियां सही रख-रखाव के साथ भरोसेमंद बनी रहें और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन की मांगों को पूरा करने के लिये तैयार रहें। एनुअल मैंटेनेन्स कॉन्ट्रैक्ट्स (एएमसी) भी उपलब्ध है, जो लीज वाले और रेंटेड ईवी टू-व्हीलर्स के लिये हैं। इससे न्यूनतम शुरूआती निवेश के साथ इलेक्ट्रिक गाड़ियों को आसानी से किफायती दामों में अपनाना सुनिश्चित होगा। चैलेंजर मॉडल्स में एडवांस्ड फीचर्स हैं, जैसे कि लाइव ट्रैकिंग और व्हीकल इम्मोबिलाइजेशन। यह फ्लीट मैनेजर्स को वाहनों की प्रभावी तरीके से सुरक्षा और प्रबंधन के लिये सशक्त करते हैं।

46वें जमनालाल बजाज पुरस्कार 2024 के लिए आयोजित समारोह में पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जमनालाल बजाज पुरस्कारों के 46वें संस्करण में जमनालाल बजाज फाउंडेशन की ओर से विजेताओं को जनकल्याण और सामाजिक कार्यों में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। आज वार्षिक पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सोसायटी फॉर एजुकेशन, एक्शन एंड रिसर्च इन कम्युनिटी हेल्थ के संस्थापक एवं निदेशक, डॉ. अभय बंग; जमनालाल बजाज फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के अध्यक्ष, श्री शेखर बजाज, फाउंडेशन की सलाहकार परिषद के सदस्यगण तथा गणमान्य हस्तियों की मौजूदगी में चारों पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, श्री कैलाश सत्यार्थी इस फाउंडेशन के ट्रस्टी हैं, जबकि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक तथा राष्ट्रीय नवप्रवर्तन फाउंडेशन के अध्यक्ष, डॉ. आर. ए. माशेलकर इस फाउंडेशन के सलाहकार परिषद के अध्यक्ष भी हैं। इन पुरस्कारों की शुरूआत के बाद से, हर साल श्री जमनालाल बजाज की जयंती के उपलक्ष्य में फाउंडेशन की ओर से पुरस्कार दिए जाते हैं। इस खास मौके पर देश की महान विभूति को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए, फाउंडेशन ने जनकल्याण संबंधी गतिविधियों और गांधीवादी विचारों से प्रेरित रचनात्मक कार्यक्रमों के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले विजेताओं को एक प्रशस्ति पत्र, एक ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जमनालाल बजाज फाउंडेशन के संस्थापक श्री रामकृष्ण बजाज के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में, वर्ष 2023 में प्रत्येक श्रेणी के लिए पुरस्कार राशि को 10,00,000 रुपये से बढ़ाकर 20,00,000 रुपये (अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए विदेशी मुद्रा में इसके बराबर बढ़ोतरी) कर दिया गया।

गांधीवादी मूल्यों और सामाजिक उन्नति के लिए श्री जमनालाल बजाज की आजीवन प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए, फाउंडेशन ने पुरस्कार राशि में इस स्मरणीय वृद्धि को वर्ष 2024 में भी जारी रखा है। इस साल (2024) के पुरस्कार रचनात्मक कार्य हेतु पुरस्कार,गिरिजा नंदन-झारखंड, ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग हेतु पुरस्कार, रश्मि भारती-उत्तराखंड, महिलाओं तथा बच्चों के विकास एवं कल्याण हेतु पुरस्कार (पद्म विभूषण जानकीदेवी बजाज की स्मृति में स्थापित)डॉ. तुलसी मुंडा-ओडिशा और भारत के बाहर गांधीवादी मूल्यों को प्रोत्साहन देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार,श्रद्धेय एरिक कुमेदिसा-कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य को पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर जमनालाल बजाज फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के अध्यक्ष, श्री शेखर बजाज ने कहा, जमनालाल बजाज फाउंडेशन पुरस्कार, हर साल ऐसे लोगों की असाधारण कहानियों को दुनिया के सामने लाने का माध्यम है, जो निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हुए आधुनिक समाज में गांधीवादी मूल्यों को आगे बढ़ाते हैं। सभी पुरस्कार विजेताओं को बहुत-बहुत बधाई; आपने सच्ची निष्ठा से कार्य करते हुए समाज में बदलाव लाया है, जो इस बात की मिसाल है कि श्री जमनालाल बजाज के आदर्शों और महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों की ताकत हमेशा कायम रहने वाली है। हम दूसरों को भी आपके काम से प्रेरणा लेने और दुनिया को अधिक सहानुभूतिपूर्ण बनाने की मुहिम से जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रशासन के नाक के नीचे बिना पंजीयन के संचालित होते हॉस्पिटल

एसडीएम ने 6 अस्पतालों पर की छापेमारी, अस्पताल की कमियों को दो सप्ताह में सुधार न करने पर होगी कड़ी करवाई

शाहगंज जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर शाहगंज के उप जिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया और वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने मंगलवार को लखनऊ सुल्तानपुर मार्ग पर संचालित कई अस्पतालों पर धावा बोल दिया। इस दौरान निरीक्षण में काफी कमियां मिलीं। जिस पर एसडीएम ने हिदायत देते हुए, दो सप्ताह में दूर करने का निर्देश दिया। जांच के दौरान खुद को शाहगंज का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल घोषित करने वाले कई अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन काफी पहले ही समाप्त होने की बात सामने आई। इसके बावजूद भी अवैध रूप से संचालित करते उक्त अस्पताल मिले। कान्हा हार्ट एवं मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का पंजीयन पहले ही खत्म पाया गया। ऐसे

में ही शाहगंज नगर से सेट आशादीप एवं जीवन धारा अस्पताल भी बिना पंजीकरण के संचालित मिले। अस्पताल संचालकों द्वारा रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करने की बात स्वीकारी गई। जिस पर एसडीएम ने उन्हें उन्हें मोहलत देते हुए चेतावनी दी कि यदि दो सप्ताह में अस्पताल का पंजीकरण प्रमाण पत्र नहीं दिखाया गया तो अस्पताल को सीज कर दिया जाएगा। इसके बाद शाहगंज के विभिन्न अस्पतालों में हड़कंप मच गया। फिलहाल एसडीएम की इस कार्रवाई से नगर में संचालित अन्य अस्पतालों में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। ज्ञात हो कि मंगलवार की सुबह कान्हा हार्ट मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल सन्तोदय हॉस्पिटल आशादीप हॉस्पिटल जीवन धरा हॉस्पिटल मां शांति और जीवनदीप हॉस्पिटल सहित उन अस्पतालों पर उप जिलाधिकारी शाहगंज राजेश कुमार चौरसिया एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने औचक निरीक्षण किया ऐसे में उक्त अस्पताल अपने मानक पर खरा नहीं उतरे। उप जिलाधिकारी ने जांच के दौरान मरीजों की भर्ती व्यवस्था अभिलेख के रखरखाव और फायर एनओसी नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की, अस्पतालों की कमियों को 15 दिन के भीतर दूर नहीं करने पर अस्पताल के ऊपर कठोर कार्रवाई की बात कही। परंतु में चुनिंदा अस्पतालों पर केवल अपना रूप दिखा देने से क्या भ्रष्टाचार में लिप्त अवैध अस्पताल सुधर जाएंगे या फिर मात्र चंद राजमार्ग सड़कों पर औचक निरीक्षण कर लेने से क्या शाहगंज क्षेत्र के अवैध अस्पताल बंद हो जाएंगे।

शादी से एक दिन पहले होने वाले पति के मोबाइल पर पहुंचा दुल्हन का अश्लील वीडियो, टूटी शादी

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 नवंबर 2024 को आनी थी बेटी की बारात, उससे पहले ही उसकी बेटी की अश्लील वीडियो दो लोगों ने उसके होने वाले पति के मोबाइल पर भेज दिया। इसके बाद नहीं आई बारात, बेटी के बाप ने बहुत मान मनौव्वल की लेकिन बात नहीं बनी तब तक हार कर उक्त लड़की के बाप ने वीडियो वायरल करने वाले दो लोगों के खिलाफ शाहगंज थाने पर तहरीर दी है।

आज कल अक्सर देखा जा रहा है कि स्कूल, कॉलेज और कोचिंग में पढ़ने जा रही लड़कियां, या मां के साथ या अपनी सहेलियों के साथ बाजार या किसी अन्य जगह घर से अकसर निकलने वाली कुछ लड़कियां पढ़ाई से या अपने काम से ध्यान भटका कर,चंद लम्हों के मजे के लिए या कुछ पैसों की लालच में व्याभ्याचार में लिप्त हो जाती है, और अगल-बगल के छोटे-मोटे रेस्टोरेंट और होटल में अपनी इज्जत का सौदा उन लड़कों से कर लेती है जिनकी नजर सिर्फ और सिर्फ उनके जिस्म पर होती है ना कि उनके दिल पर ,बाद में किसी तरीके से वह लोग इस व्याभ्याचर का वीडियो भी बना लेते हैं ।इससे वह उनको ब्लैकमेल करते हैं ऐसे में बहुत सी लड़कियां शादी होने के बाद अपने ससुराल में भी परेशान नजर आती है, तो वहीं कई लड़कियां बाद में सुसाइड भी कर लेती है। जौनपुर के शाहगंज का मामला पहला ऐसा मामला नहीं है इस प्रकार की कई खबरें अक्सर सुनने को और देखने को मिल जाती है ।लोगो को चाहिए की घर से निकलने वाली हर बेटी ,भतीजी,भांजी,के क्रिया कलापों पर बारीकी से नजर रखे।

कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को मिली बड़ी कामयाबी, शख्स के पास से 47 लाख कैश बरामद

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर आठ पर चेकिंग के दौरान जीआरपी को एक व्यक्ति के थैले से 47 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई है। इस मामले में आगे

की जांच जारी है।

उत्तर प्रदेश के व्यस्ततम वाराणसी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम ने 47 लाख नकद ले जा रहे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया पैसे के संबंध में जब अधिकारियों ने युवक से पूछताछ की तो वह घबराने लगा।पकड़े गए आरोपी ने दावा किया है कि ये पैसा फल, ड्राइ-फ्रूट्स का है लेकिन उन्होंने इसका कोई सबूत पेश नहीं किया। जीआरपी टीम इस मामले की जांच कर रही है।साथ ही इनकम टैक्स डिमार्टमेंट को भी इसकी सूचना दी गई है। जीआरपी के मुताबितक चेकिंग के दौरान वाराणसी के प्लेटफार्म नंबर 8 चेकिंग के दौरान यह व्यक्ति पकड़ा गया। वाराणसी के चौक इलाके के व्यापारी को कोलकाता जाने वाली ट्रेन में चढ़ने की तैयारी करते समय प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर पकड़ा गया। इस संबंध में जीआरपी कैंट क्षेत्राधिकारी कुँवर प्रताप सिंह ने बताया कि, प्रभारी निरीक्षक हेमन्त सिंह और उनकी टीम प्लेटफार्म नंबर 8 पर चेकिंग कर रहे थे।चेकिंग के दौरान फुट ओवरब्रिज एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम शिवकुमार वर्मा बताया है।जो गोलागली चौक का रहने वाला है।ये हावड़ा ले जाया जा रहा था। पैसे के संबंध में नहीं थे कोई सबूत अधिकारी ने बताया कि, इस प्रकरण की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया ये पैसा हवाला का लग रहा है।

पूछताछ में पकड़े व्यक्ति ने बताया कि वह ड्राइ-फ्रूट्स खरीदने के लिए हावड़ा जा रहे थे लेकिन इस पैसे के संबंध में इनके पास कोई कागज नहीं है।इनकम टैक्स की टीम को इस मामले की जानकारी दी गई है।साथ ही इस कार्रवाई में शामिल टीम को पांच हजार नकद ईनाम की घोषणा की गई।

विकास खण्ड शाहगंज में रोजगार मेला का आयोजन 14 नवम्बर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के क्रम में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा कम्पनी एस0आई0एस0 द्वारा 13 नवम्बर 2024 से 07 दिसम्बर 2024 तक ब्लाकवार विभिन्न तिथियों में पंजीयन हेतु रोजगार मेला कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, तत्क्रम में 14 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे विकास खण्ड शाहगंज परिसर जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें भर्ती हेतु सुरक्षाकर्मियों का पंजीयन शिविर आयोजित किया जायेंगा जिनकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, बी0ए0 एवं लम्बाई 168 से0मी0, सीना 80 से 85 से0मी0 तथा आयुसीमा 19 से 40 वर्ष के बीच, अभ्यर्थी का वजन 56 से ज्यादा व 90 से कम होना अनिवार्य हैं। अभ्यर्थी प्रतिभाग कर अर्हता पूर्ण करते हुए रोजगार प्राप्त कर सकते है।जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए रोजगार हेतु अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

मिशन शक्ति फेज 5 के तहत जागरूकता अभियान जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान तथा

स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जनपद जौनपुर की एंटिरोमियो टीमों/महिला पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न स्थानो पर महिलाओं/बालिकाओं को कानूनी प्रावधानों जैसे-शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा आदि के बारे में जानकारी दी गई तथा बच्चों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न , छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, सोशल मीडिया के दुष्प्रयोग से बचने आदि, मुद्दों पर गोष्टी सेमिनार कार्यशाला आदि का आयोजन कर जागरूक किया गया। साथ ही वूमन एम्पावरमेंट संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध, 108 एंबुलेंस सेवा व 112 पुलिस आपातकालीन सेवा आदि के सम्बन्ध मे पम्पलेट वितरित कर जानकारी दी गई।

देव दीपावली को देखते हुए वाराणसी कमिश्नरेट के काशी जोन में पुलिस अलर्ट: डीसीपी गौरव बंसवाल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद में 15 नवंबर को भव्य तरीके से होगा देव दीपावली का आयोजन-डीसीपी गौरव बंसवाल लाखों की संख्या में श्रद्धालु देव दीपावली देखने के लिए काशी आते हैं। डीसीपी गौरव बंसवाल सभी घाटों पर अलग-अलग से कार्यक्रम किए जाएंगे। डीसीपी गौरव बंसवाल घाटों पर लेजर शो, बैरिकेटिंग, रिवर बैरिकेटिंग जिससे किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो और घाटों का दर्शन किया जा सके। डीसीपी गौरव बंसवाल हर एक घाट पर मचान बनाए जा रहे हैं। जिस पर पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस के द्वारा ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। डीसीपी गौरव बंसवाल सभी घाटों पर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे और सभी श्रद्धालुओं पर अच्छी तरह से नजर रखी जाएगी ताकि किसी को असुविधा न हो। डीसीपी गौरव बंसवाल एनडीआरफ, जल पुलिस, पीएससी कई कंपनियों की फोर्स भी तैनात रहेगी। डीसीपी गौरव बंसवाल नाविकों को निर्देशित किया गया है की सुरक्षा कवच के साथ ही श्रद्धालुओ, पर्यटकों और टूरिस्ट को नाव पर बैठाएं। डीसीपी श्रद्धालु, टूरिस्ट और पर्यटकों से निर्धारित रेट में ही नाविक घाटों की सैर कराये।

जनसुनवाई में भूमि विवाद के मामले के प्रार्थना पत्र का पुलिस अधीक्षक ने मौके पर जाकर किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 13 नवम्बर को जनसुनवाई में भूमि विवाद के मामले के प्रार्थना पत्र का डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर मौके पर पहुंचकर प्रकरण के सन्दर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।जनपद के थाना जलालपुर अंतर्गत ग्राम

इजरी के निवासी राजमनी उपाध्याय द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि पड़ोसी पट्टीदार अतुल उपाध्याय पुत्र स्व0 अमरनाथ उपाध्याय, लालमन उपाध्याय पुत्र स्व0 बेचन उपाध्याय प्रार्थी से जमीनी रंजीश रखते है और आये दिन मार पीट करते रहते है। गम्भीरतापूर्वक प्रकरण का सन्दर्भ लेते हुए प्र0नि0 जलालपुर से प्रकरण के सन्दर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त कर स्वयं शिकायतकर्ता राजमनी उपाध्याय के घर मौके पर पहुचकर प्रकरण के सन्दर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त करते हुए निस्तारित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।

प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का वाराणसी में आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कबड्डी संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 नवम्बर, 2024 तक वाराणसी में किया जा रहा है।

उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के जूनियर बालक कबड्डी खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 21 नवम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा।जनपद स्तर पर चयनित जूनियर खिलाड़ी ही 26 नवम्बर 2024 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में प्रातः 9.30 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता जो वाराणसी में आयोजित हो रही है। में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। खिलाड़ियों का जन्म 01 जनवरी 2005 के बाद का हो तथा वजन 70 किग्रा0 या उससे कम होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए कन्हैया सिंह यादव,अंशकालिक मानदेय कबड्डी प्रशिक्षक (6386089062) से सम्पर्क कर सकते हैं।

यातायात पुलिस ने काटे 954 चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान टी0डी0इण्टर कालेज,वाजीदपुर, जौनपुर मे किया गया जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन व शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुवे प्रवर्तन की कार्यवाही में 954 वाहनों का चालान किया गया। आज दिनांक-13.11.2024 को डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी यातायात/नगर देवेश सिंह, आरटीओ आरआइ, अशोक कुमार श्रीवास्तव प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान टी0डी0 इण्टर कालेज, वाजीदपुर, जौनपुर में 300 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता से सम्बन्धित रैली, क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया तथा सभी बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलाई गई।साथ ही शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के

बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी।तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सीटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना। हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 954 वाहनों का चालान किया गया । यातायात माह में दिनांक-13.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही कुल चालान संख्याः 954 बिना हेलमेट वाहन चलानाः783 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः- 16 तीन सवारी वाहन चालानाः- 26 यातायात नियमों का उल्लंघनः- 10 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः-10 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-5 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः- 1 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-13 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः- 1 ओवर स्पीड वाहन चलानाः-- 2 नो पार्किंगः-18 शेष अन्य धारा मेः-69

जिलाधिकारी ने बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सरकारी समिति चुरामनपुर में बने धान क्रय केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के

द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सरकारी समिति चुरामनपुर में बने धान क्रय केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि जनपद के 145 धान क्रय केंद्रों पर खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने अपील किया कि किसान भाई अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करा कर तहसील से सत्यापन के उपरांत धान सूखा कर शासन के द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपना धान क्रय केंद्र पर बेचे। उन्होंने खरीद से संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को क्रय केंद्र पर किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। किसानों का भुगतान 48 घंटे के अंदर कराया जाए।निरीक्षण के समय डिप्टी आरएमओ नृपंजय पाठक,एडीसीओ सदर और एडीओ सहित अन्य उपस्थित रहे।

साधन सहकारी समितियों से खाद नदारद

दोगुने दाम पर किसान सरकारी डीएपी निजी दुकान से खरीदने को मजबूर

खेतसराय जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक तरफ जहाँ सरकार किसानों के अनाज का दो गुना मूल्य दिलाने की बात कर रही है तो ऐसे में बुआई का कार्य अपने

उत्कर्ष पर चल रहा है कौन कहे इन्हें कुछ लाभ मिलने को तो किसान दुगुने मुल्य पर डीएपी और खाद खरीदने को मजबूर हैं। यहाँ कुल पाँच साधन सहकारी समितियां हैं लेकिन स्थिति यह है की किसान निजी दुकानों से खाद खरीदने को मजबूर हैं क्योकि इन्हें वाहाँ जाने पर खाली हाथ वापस लौटना पड़ता है। पूछने पर यह बताया गया की दीपावली के पूर्व दो दो सौ बोरी कुछ समितियों को दिया गया था लेकिन उसके बाद अभी तक खाद नहीं आई है।गौरतलब है की यह माह बुआई के लिए अति महत्त्वपूर्ण है बावजूद इसके जिम्मेदार चुप हैं परिणामस्वरूप महँगे दाम पर लेना इनकी मजबूरी है इस संवन्ध में किसान, डांडसौली निवासी किशन गौतम,बबलू कुमार लखमापुर, बबलू रानीमउ, धर्मेंद्र पाराकमाल, मो तलकीन आदि ने बताया की हम लोग समितियों का चक्कर काटकर अब निजी दुकानों से सरकारी डीएपी खाद खरीदे हैं और बुआई किए हैं।

जौनपुर में मुख्यमंत्री के आदेशों का नहीं हो रहा पालन

जगह जगह मार्ग पर गड्ढा होने कारण आये दिन हो रही दुर्घटनाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ रोड पाठक पेट्रोल पंप के 100 मीटर पहले रोड बहुत ही ज्यादा खराब हो गई है जिसमें बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसके वजह से लगभग महीनो से रोज प्रतिदिन जाम रहता है और रात में अक्सर वहां पर एक्सीडेंट होते रहते हैं। अभी 2 दिन पहले ही रात में लगभग 9:00 बजे एक महिला का वहां पर एक्सीडेंट हो गया जिससे उसके सर में और नाक में बहुत ज्यादा चोट लगी महिला अस्पताल गई और पता नहीं क्या हुआ उसके साथ उसके हालात लेकिन बहुत गंभीर थी। यहां से 300 मीटर आगे सूरज घाट मठ है जहां पर 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का बहुत ही बड़ा मेला लगता है। मैं इस रोड के संबंधित अधिकारियों से निवेदन करता हूं कि जो भी इससे संबंधित हो कृपया इसको संज्ञान में ले।

एडीआरएम ने जंघई स्टेशन का किया निरीक्षण, दिया दिशा निर्देश

जंघई(उत्तरशक्ति)। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ए डीआरएम उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल सचिन कुमार ने निरिक्षण किया विशेष सैलून से दो बजे दोपहर पहुंचे लगभग एक घंटे तक पूरे स्टेशन का निरिक्षण करके अपने मातहतो को जरुरी दिशा निर्देश दिया।

एडीआरएम लखनऊ सचिन कुमार अपने विशेष सैलून से जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर दो बजे दोपहर में पहुंचे और लगभग एक घंटे तक स्टेशन के प्लेट फार्म नम्बर एक से पांच तक और पुरानी पावर केबीन, नई पावर केबीन, सकुर्लेटिंग एरिया आरपीएफ बैरक, रेलवे कालोनी, नया पावर हाउस ,आरपीएफ पोस्ट, जीआरपी चौकी ,बेटिंग हाल का निरीक्षण किया।इस दौरान पुराना पावर केविन को तोड़ने का निर्देश दिया कहा की जिससे प्लेट फार्म नम्बर एक पर लाइन बिछाई जा सके। इसी तरह बने नये आरक्षण काऊण्टर को शुरू करने का निर्देश दिया तथा सामने टीनशेड लगाने का निर्देश दिया। पुराने आरक्षण काऊण्टर तोड़ने का निर्देश दिया। यात्री प्रतिक्षालय को चालू करने का निर्देश स्टेशन अधीक्षक को दिया प्लेटफार्म नम्बर दो पर हो रहे निर्माण कार्य का

जायजा लिया। उनके साथ में सिद्धार्थ वर्मा वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कोचिंग, स्टेशन अधीक्षक कोमल सिंह सी एम आई आनंद श्रीवास्तव, सुबोध विश्वकर्मा, आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार, विधुत इंचार्ज दिनेश पांडेय, विक्रम सिंह जीआरपी मौजूद रहे।

भरे बाजार में ट्रक बिगड़ने से लगा भीषण जाम

जाम के झाम में फंसे रहे राहगीर व विद्यार्थी

मोहम्मद अफजल

खेतासराय जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय कस्बा बाजार में बुधवार की दोपहर अचानक एक ट्रक भरे बाजार में बिगड़ने से राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग पर भीषण जाम लग गया।? जिसमें राहगीर समेत विद्यार्थी घण्टों फसे रहे। हालांकि पुलिस के प्रयास से चार घंटे बाद जेसीबी मशीन से ट्रक को बाजार से बाहर कराने के बाद जाम से राहत मिली। इस दौरान मुख्य मार्ग समेत पुरानी बाजार, खुटहन रोड और दीदारगंज रोड पर वाहनों का लम्बी कतार लगी रही। दोपहर लगभग तीन बजे कन्ना लदा एक ट्रक जौनपुर की तरफ से शाहगंज की ओर जा रहा था। स्थानीय गोलाबाजार मोड़ के समीप पहुंचने पर अचानक ट्रक में खराबी आने से रोड पर खड़ा हो गया। धीरे-धीरे वाहनों की लम्बी कतार लग गई। चौराहा पर तैनात पुलिस के साथ चौकी प्रभारी तारिक अंसारी जाम हटाने में लग गए। दो घंटे अथक प्रयास के बाद पांच बजे जेसीबी की मदद से ट्रक को बाजार के बाहर ले जाया गया। ट्रक हटाने के एक घंटा बाद तक जाम की स्थिति बनी रही।

समाज को संगठित करने का काम जारी रखूंगा: पूर्व विधायक बाबा दुबे

जौनपुर। समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने तथा समाज को संगठित करने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। अन्याय और जुल्म के खिलाफ हमेशा आम आदमी के साथ खड़ा रहूंगा। अपने जन्मदिन पर पत्रकारों से बात करते हुए बदलापुर विधानसभा के पूर्व विधायक तथा वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश दुबे उर्फ बाबा दुबे ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वे अपने जनपद के साथ-साथ पूर्वांचल में लोगों को संगठित करने तथा भेदभाव रहित समाज के निर्माण की दिशा में समर्पित भावना के साथ काम करेंगे। जन्मदिन के अवसर पर आज मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार तथा साहित्यकार शिवपूजन पांडे तथा दैनिक जागरण के पत्रकार प्रमोद पांडे ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉक्टर संजय यादव , पंकज तिवारी, नीरज शुक्ला, पुनीत तिवारी, युवा समाजसेवी राजेश तिवारी, दीपक तिवारी, संतोष तिवारी, कृष्णचंद्र दुबे, सुरेश यादव, विक्की यादव, पंकज यादव,भोला प्रजापति, डॉक्टर अशोक प्रजापति समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

बैठक कर भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जिताने की अपील

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सोनकर खटिक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय खटिक समाज नई दिल्ली के राष्ट्रीय महासचिव आर डी सोनकर ने खटिक समाज के लोगों की बैठक की। बैठक के साथ साथ मुंबई और आस पास के जिले मे रहने वाले उत्तर भारतीय दलित समाज जैसे खटिक समाज, पासी समाज, धोबी समाज, निषाद समाज, चर्मकार-कोरी, जैसवार, बाल्मीकी समाज के लोगों की भी बैठक सम्पन्न हुई। मुंबई अनुसूचित जाति एससी समाज के प्रमुख आर. डी. सोनकर, रमाशंकर भारती, उमेश पासी, गंगाराम निषाद, जितेन्द्र कनौजिया, रामसमुझ गौतम आदि लोगों ने अपने अपने समाज के लोगों से अपील किया है किभाजपा महायुती के सभी उम्मीदवारो के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराए और बहुमतो से उन्हें विजयी बनाये।

क्राइम पॉईंट प्रेस कार्यालय का उद्घाटन

मुंबई। मंगलवार के दिन क्राइम पॉईंट प्रेस कार्यालय सरस्वती सदन,हलाव पूल,कुर्ला (पश्चिम)मुंबई का भव्य उद्घाटन समारोह क्राइम पॉईंट प्रेस संपादक श्रीमती कमलेश गुप्तासंवाददाता हरीश गुलाटी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में तमाम पत्रकार बंधुओ को निमंत्रण दिया गया था। इस अवसर पर सुखबिंदर सिंह उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता, हरिकेश जैसेसवाल समाचार 9 न्यूज ब्यूरो चीफ, ब्रिजेश सिंह मेट्रो दिनांक समाचार संवाददाता, सतीश एम.के.बी न्यूज समेत अन्य पत्रकार मौजुद रहे।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक पर सवार किशोरी की मौत हो गई

-प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के अनापुर ट्रक की चपेट में आने से बाइक पर सवार किशोरी की मौत हो गई जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तेजी बाजार थाना क्षेत्र के जनौर गांव निवासी फिरोज अहमद 23 वर्ष पुत्र हामिद उर्फ.पप्पू के साथ फरहीन 20 वर्ष पुत्री शेर अली उर्फ सरिया निवासी मछलीशहर बुधवार दिन के लगभग 4:00 बजे अपनी बाइक से शहर जौनपुर की तरफ आ रहे थे।कि उसी समय अनापुर में एक ट्रक की चपेट में आकर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को 108 एम्बुलेंस जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने किशोरी फरहीन को मृत्यु घोषित कर दिया। और घायल किशोर फिरोज अहमद को वाराणसी बीएचयू के लिए रेफर कर दिया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों शहर जौनपुर में रिश्तेदारी के लिए आ रहे थे।

जमीनी विवाद के चलते सगे भाइयों में खूनी संघर्ष, सात लोग घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव में बुधवार सुबह जमीनी विवाद में सगे भाइयों में जमकर खूनी संघर्ष हो गया।दोनों पक्षों से सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस उपचार के लिए सीएचसी डोभी ले गई जहां दो की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। नंदलाल व मोहन सगे भाई है। दोनों में आबादी को लेकर विवाद चला आ रहा है। इसी मामलें में सुबह दोनों पक्षों में कहासुनी हुई जो खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। एक पक्ष से नंदलाल, राहुल, रोहित, शुभम, सरिता, रुक्मिणी, रामचंद्र व दूसरे पक्ष से मोहन, दीपा, अनामिका, सुंदरी, सोनम, गौरी व माया घायल हो गई। पुलिस सभी को उपचार के लिए सीएचसी डोभी में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने माया व अनामिका की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

स्कार्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार एलआईसी मैनेजर की मौत

-कलीम अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।सरायख्वाजा के डाल्हनपुर निवासी शाखा प्रबन्धक संतोष सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताते है कि 45 वर्षीय सन्तोष सिंह मड़ियाहूं एलआईसी के शाखा प्रबंधक थे। वह रोजाना की तरह बाइक से कार्यालय गए थे। शाखा को बंद करवाकर बाइक से घर लौट रहे थे कि जब वह पाली बाजार के पास पहुंचे ही थे तभी सामने से आ रही स्कार्पियों ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह दूर जा गिरे। आस-पास के लोगों ने 108 एम्बुलेंस के जरिए उनको उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।हालांकि परिजन उनको आस-पास के निजी चिकित्सालय ले ही जा रहे थे कि इस दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई।

डॉलर की मजबूती से निर्यातकों सहित सहालग वालों की बल्ले-बल्ले

-सुरेश गांधी

वाराणसी। अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनॉल्ड ट्रंप की जीत के बाद डॉलर का रुतबा सातवें आसमान पर है। जबकि रुपया रसातल में जा रहा है और डॉलर हर रोज तेजी का रिकार्ड बना रहा है। वर्तमान में डॉलर के मुकाबले रुपया 84.40 के स्तर पर है। वहीं डॉलर इंडेक्स बढ़कर 106.86 पर जा पहुंचा है। इससे कारपेट इंडस्ट्री सहित निर्यात वाले कारोबारियों व जिनके घर में सहालग है, के परिवारों की सोने-चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट से बल्ले-बल्ले है। देशभर के सराफा बाजारों में सोने की कीमत 1500 से 2000 रुपये तक घट गई, वहीं चांदी के कीमतों में 2500 से 3000 रुपये तक की गिरावट आई है। या यूं कहे दीवाली से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5000 रुपये तो चांदी 12000 रुपये किलो सस्ती हुई है।

जानकारों की मानें तो दिसंबर तक सोने के की कीमत में 3000 से 4000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी आ सकती है। वहीं, चांदी की बात करें तो चांदी की कीमत में 5000 से 6000 रुपये प्रति किग्रा की गिरावट देखने को मिल सकती है। खास यह है कि ट्रंप की जीत से अमरीका में अगले महीने वाली फेडपल रिजर्व की मीटिंग ब्याज दर में कटौती की संभावना पर भी सवालिया निशान लग गया है। इसके चलते अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोना 2600 डॉलर प्रति औंस के नीचे आकर 2590 डॉलर तक लुढ़क गया। पहले से ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दबाव झेल रहा भारतीय शेयर बाजार भी डॉलर के मजबूत होने और ग्लोबल बाजारों में आई गिरावट से बुधवार को 821 अंक टूटकर 78.675 बंद हुआ। निफ्टी भी 1 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर 23.833 अंक पर रहा। इससे निवेशकों के 5.60 लाख करोड़ डूब गए। यह अलग

बात है कि कारपेट इंडस्ट्री सहित अन्य वस्तुओं के इक्सपोर्ट करने वाले निर्यातकों को डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से फायदा होता है, क्योंकि उन्हें डालर में भुगतान मिलता है। हालांकि यह स्थायी नहीं होता। कारपेट इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि अगर लांग टर्म तक डॉलर की मजबूती बनी रहे तो लाभ तो होता है, लेकिन नए आर्डर मिलने पर आयातक या यूं कहे विदेशी खरीदार डॉलर व रुपया का हवाला देकर कालीनों के दाम घटाने की बात पर अड़ जाते है। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। फिलहाल देश के निर्यात का प्रदर्शन बेहतर नहीं चल रहा है। इसलिए निर्यातकों को भी रुपए में गिरावट का खास फायदा नहीं होने वाला है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में निर्यात में मात्र एक प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। इस अवधि में आयात में छह प्रतिशत से अधिक का इजाफा रहा। बता दें, वैश्विक बाजार में कारपेट इंडस्ट्री का हिस्सेदारी 2022 में 50.29 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और 2023 में 55.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 106.01 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो पूवार्नुमान अवधि के दौरान 10.03 फीसदी की सीएजीआर प्रदर्शित करता है। 2022 में 35.95 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी के साथ उत्तरी अमेरिका कालीन और गलीचा बाजार पर हावी रहा।

माता-पिता पर बढ़ेगा बोझ

रुपए में गिरावट से विदेश में पढ़ रहे बच्चों के माता-पिता पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। वे अपने बच्चों को मुख्य रूप से डालर में खर्च भेजते हैं और डालर में मजबूती से उन्हें पहले के मुकाबले अधिक भुगतान करना पड़ेगा। हालांकि उन परिवारों को रुपए में कमजोरी का फायदा मिलेगा जिन्हें विदेश से उनके रिश्तेदार पैसे भेजते हैं। शादी-विवाह के सीजन में सोने-चांदी की खरीदारी बढ़ जाती है। ऐसे में फेस्टिव या वेडिंग सीजन हो तो खरीदारी के साथ-साथ कीमतें भी बढ़ती हैं, लेकिन डॉलर की मजबूती दोनों की कीमतों में गिरावट जारी हैं। शादी की शॉपिंग के लिए सोना व चांदी दोनों सस्ता हो गया है। जब से डोनाल्ड ट्रंप को जीत हासिल हुई है, तब से डॉलर इंडेक्स में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है. जिसका असर इंटरनेशनल मार्केट से लेकर डॉमेस्टिक मार्केट तक में देखने को मिल रहा है. लोकल मार्केट की बात करें तो गोल्ड की कीमतें 5 सितंबर के बाद से 4.44 फीसदी तक टूट चुकी हैं. वहीं दूसरी ओर इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड के दाम 5 फीसदी तक टूट चुके हैं. जानकारों का अनुमान है कि डॉलर इंडेक्स साल के अंत तक 107 का लेवल छू सकता है. इसका मतलब है कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमतों में और ज्यादा दबाव देखने को मिलेगा और इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड 2300 डॉलर तक पर देखने को मिल सकता है. हाल के दिनों में सोने और चांदी की कीमत में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। सोने की कीमत रिकॉर्ड हाई से करीब 3000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत करीब 6000 रुपये सस्ती हो चुकी है।

पीएनबी ने रिसाइकिल पीवीसी प्लास्टिक से बने इको-फ्रेंडली पलाश डेबिट कार्ड लॉन्च किया

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने अपनी दीर्घकालिक पहल के अंतर्गत रिसाइकिल किए गए पीवीसी प्लास्टिक(आरपीवीसी) से बने डेबिट कार्ड का नया संस्करण पीएनबी पलाश डेबिट कार्ड लॉन्च किया। इस इको-फ्रेंडली कार्ड में ऐसी सामग्रियों का उपयोग हुआ है जो भूमि में अपघटित हो जाती हैं, जिससे पर्यावरण को होने वाला नुकसान कम होता है। ग्राहक pnbindia.in पर लॉग इन करके या पीएनबी की शाखा में संपर्क कर इस पर्सनलाइज्ड डेबिट कार्ड का लाभ उठा सकते हैं, जिसे विश्व स्तर पर स्वीकार किया जाता है। पीएनबी पलाश डेबिट कार्ड मौजूदा रुपे प्लेटिनम डेबिट कार्ड वैरिएंट की सभी सुविधाएँ प्रदान करता है। एनपीसीआई द्वारा प्रदान की जाने वाली नियमित छूट या ऑफर समय-समय पर बदलते रहते हैं। पलाश डेबिट कार्ड वे सभी ग्राहक ले सकते हैं जो डेबिट कार्ड जारी करने के लिए पात्र हैं। प्राथमिक डेबिट कार्ड जारी करने का शुल्क 250 रुपये प्लस टैक्स है। कार्ड खोने, क्षतिग्रस्त होने या ब्लॉक होने के कारण नया कार्ड लेने की स्थिति में, प्रतिस्थापन शुल्क भी 250 रुपये प्लस टैक्स है। इसके अतिरिक्त, 250 रुपये प्लस टैक्स का वार्षिक शुल्क भी है। डेबिट कार्ड लेनदेन पर लागू सभी अन्य शुल्क भी इस कार्ड वैरिएंट पर लागू होंगे।

एलायंस यूनिवर्सिटी को मूल्यांकन के पहले दौर में ही NAAC का ए+ प्रमाणन मिला

मुंबई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त दक्षिण भारत में उच्च शिक्षा के पहले निजी संस्थान, एलायंस यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा मूल्यांकन के पहले ही दौर में ए+ ग्रेड से सम्मानित किया गया है।

ए+ प्रमाणन हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है, जिसकी झलक विश्वविद्यालय के 3.26 के संचयी CGPA में भी दिखाई देती है। संस्थान को सभी प्रमुख डोमेन में सर्वोच्च अंक प्राप्त हुए हैं: यानी पाठ्यक्रम संबंधी पहलुओं में 3.67, शिक्षण-अधिगम एवं मूल्यांकन में 3.64, बुनियादी सुविधाएँ एवं शिक्षण संसाधन में 3.9, तथा छात्रों की सहायता एवं प्रगति में 3.75 अंक प्राप्त हुए हैं। ये अंक इस बात को जाहिर करते हैं कि, यह विश्वविद्यालय अव्वल दर्जे के पाठ्यक्रमों की पेशकश करने, छात्रों पर केंद्रित शिक्षण उपलब्ध कराने, अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत सहायता प्रणालियों में पूरी तरह सक्षम है। इसके अलावा, प्रशासनिक व्यवस्था, नेतृत्व एवं प्रबंधन में 3.57 का अंक इस बात को दशार्ता है कि एलायंस यूनिवर्सिटी ने रणनीतिक योजना, प्राध्यापकों की भलाई तथा गुणवत्ता को आश्वस्त करने वाले उपायों को कारगर तरीके से लागू किया है। संस्थागत मूल्यों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणाली में 3.4 के अंक से पता चलता है कि, यह संस्थान सभी को शिक्षा के दायरे में लाने तथा सस्टेनेबिलिटी के अपने संकल्प पर कायम है।

इस अवसर पर एलायंस यूनिवर्सिटी के उप-कुलपति, डॉ. प्रीस्टली शैन ने कहा: हम सभी को NAAC की इस मान्यता का इंतजार था, जो उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए एलायंस यूनिवर्सिटी के अटल इरादे को उजागर करती है। साथ ही इससे यह भी जाहिर होता है कि, इस संस्थान ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अकादमिक और व्यावसायिक तस्वीर को बदलने में बेहद अहम भूमिका निभाई है। यह छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच इस विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ते लगाव के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी, सरकारी फंडिंग और उद्योग जगत के सहयोग के लिए भी इसकी स्थिति को मजबूत करता है। निरंतर सुधार, उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक प्रशासनिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की वजह से ही उच्च शिक्षा के अग्रणी संस्थान के तौर पर एलायंस की स्थिति और मजबूत हुई है, जो सभी भागीदारों तथा पूर्व-छात्रों को प्रेरित करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास जगाता है। उन्होंने आगे कहा: एलायंस यूनिवर्सिटी बेहतर गुणवत्ता वाली शिक्षा के जरिये सामाजिक बदलाव को आगे बढ़ाने के अपने संकल्प पर अडिग है। छात्रों को प्रभावशाली नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करने के लिए जरूरी कौशल, नैतिक आचरण और ज्ञान से सुसज्जित करना ही हमारा लक्ष्य है। हम अपने सभी हितधारकों के लिए इस बात की पुष्टि करते हैं कि, हम सीखने के सफर से जुड़े सभी पहलुओं में उत्कृष्टता, समावेशिता और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं।

तहसील स्तरीय दिव्यांग खेल कूद प्रतियोगिता संपन्न

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज सदर तहसील के दिव्यांग बच्चों का खेल कूद प्रतियोगिता विकास खण्ड बक्शा में आयोजित हुआ जिसमें सदर तहसील के सभी विकास खण्ड सिकरारा, करंजाकला, सिरकोनी, धमार्पुर, बक्शा के दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम का शुभारंभ बक्शा खण्ड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन किया यू पी एस की बच्चियों ने सरस्वती बंदना स्वागत गीत प्रस्तुत किया खण्ड शिक्षा अधिकारी का विशेष शिक्षिका अरुणा सिंह,अभिलाषा श्रीवास्तव, किरन पाण्डेय, शिक्षिका मधुलिका अस्थाना ने माला पहनाकर स्वागत किया नोडल प्रभारी प्रमोद कुमार माली, विजय सिंह के देख रेख में कार्यक्रम कराया गया जिसमें 5 मीटर दौड़ में अनमोल प्रथम, स्वतंत्र द्वितीय,100 मीटर दौड़ में अनामिका प्रथम खुशी द्वितीय, केला दौड़ में चंदन प्रथम, सेजल द्वितीय मटका फोड़ में अंशिका प्रथम, जलेबी दौड़ में ब्यूटी प्रथम, दृष्टी द्वितीय, बम में दम अवनी प्रथम, शिवांगी द्वितीय, टॉफी दौड़ में विक्की प्रथम सेजल द्वितीय, विशाल तृतीय,स्थान प्राप्त किए प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को खण्ड शिक्षा अधिकारी, शिखा मिश्रा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया मौके पर,विशेष शिक्षक आनन्द तिवारी, विवेक सिंह, सन्तोष मिश्र, राममनोहर सतीश मौर्या, दुष्यंत सिंह आदि सदर तहसील के सभी विशेष शिक्षक , दिव्यांग बच्चे व अभिभावक उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन नोडल प्रभारी प्रमोद कुमार माली ने किया।

ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव के कातिलों के घर पर सरकारी नोटिस चस्पा

जल्द चल सकता है बाबा का बुलडोजर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव के कातिलों ने ग्रामसभा के जमीन को कब्जा करके अपना आशियाना बना लिया है। जघन्य हत्या के बाद जिला प्रशासन की नींद टूटी तो आनन फानन में जांच कराया तो रक्त रंजित जमीन सरकारी निकली। आज जिला प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण को हटाने का नोटिस चस्पा किया साथ ही अर्थदंड भी लगाया है। नोटिस चस्पा होते ही इलाके में हड़कंप मच गया है। इस अवैध अतिक्रमण में जल्द ही बाबा का बुलडोजर चलने की प्रबल संभावना जताई जाने लगी है। मालूम हो कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबिरुद्दीनपुर गांव में बीते 30 अक्टूबर को जमीनी विवाद के चलते 17 वर्षीय ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की दबंग पड़ोसियों ने तलवार से वार करके उसका सिर तन से जुदा कर दिया था। अनुराग यादव के हत्या आरोपियों के द्वारा अवैध बंजर भूमि पर बने मकान पर बेदखली के दर्ज मुकदमे की नोटिस की गई चस्पा। इस मामले में राजस्व टीम द्वारा आरोपी के अवैध बंजर की भूमि पर बने मकान पर बेदखली के दर्ज मुकदमे की नोटिस चस्पा की गई। बुधवार को तहसीलदार सदर कोर्ट से राजस्व कर्मी केसी मौर्य और मनोज श्रीवास्तव कबीरुद्दीनपुर गांव में पहुचे। राजस्व टीम ने अनुराग यादव के हत्या के आरोपी लालता यादव के द्वारा बंजर भूमि पर अवैध रूप से बनाये गए मकान पर तहसीलदार कोर्ट में बेदखली के दर्ज मुकदमे की नोटिस प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र यादव और लगभग 30 की संख्या में पहुचे ग्रामीणों और परिजनों की उपस्थिति में उनके सामने चस्पा की गई। नोटिस चस्पा होने के बाद ग्रामीणों और परिजनों में अवैध मकान पर कार्यवाही होने की उम्मीद जग गयी है।

गणितीय विधि से कई समस्याओं का हल: प्रो. सर्वेश कुमार

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में व्याख्यान माला का हुआ समापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा से इंजीनियरिंग संकाय के गणित विभाग में दो दिवसीय व्याख्यान माला का समापन बुधवार को हुआ ' विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर सर्वेश कुमार, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम केरल के द्वारा छात्र-छात्राओं को अवकलन समीकरणों के न्यूमेरिकल हल करने के बारे में जानकारी दी ' उन्होंने गणितीय विधि से कई समस्याओं का हल बताया। साथ ही कहा कि डाटा एनालिसिस, मानव शरीर में रक्त प्रवाह, पर्यावरण प्रदूषण, बैंकिंग, जल प्रदूषण की समस्याओं के निवारण में उपयोग किया जा सकता है' उन्होंने छात्र-छात्राओं को उद्बोधित करते हुए भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम उनके लिए भविष्य की संभावनाओं को भी विस्तार से बताया ' उन्होंने रक्त की शिराओं में खून के प्रवाह को प्रभावित करने वाले पैरामीटर के प्रभाव पर चर्चा की ' भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान में विभिन्न अंतरिक्ष उपग्रह के समय के साथ गमन मार्ग की मॉडलिंग अवकलन समीकरणों के माध्यम से करते हुए उनका उचित हल प्राप्त किया जा सकता है ' इन समीकरणों के केवल वे हल उपयुक्त होंगे जो यदि उद्योगों के लिए उपयोगिता पूर्ण हो ' उन्होंने सामान्य जीवन के कुछ उदाहरण लेकर समाकलन और अवकलन के बीच के संबंध को समझने का प्रयास किया ' इस व्याख्यान माला में प्रतिभागियों के रूप में इंजीनियरिंग संस्थान के बी टेक तथा प्रोफेसर रज्जू भैया संस्थान के एम एससी गणित एवं शोध छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया ' अतिथि परिचय डॉक्टर दीपक कुमार मौर्य के द्वारा किया गया ' कार्यक्रम संचालन प्रोफेसर राज कुमार के द्वारा, अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर मिथलेश जी द्वारा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुशील शुक्ला के द्वारा किया गया '

सपा विधायक जाहिद बेग की मुश्किलें बढ़ीं

भदोही (उत्तरशक्ति)। यूपी के भदोही से विधायक जाहिद बेग की मुश्किलें बढ़ गई हैं।कोर्ट ने फरार चल रही सपा विधायक की पत्नी सीमा बेग के खिलाफ 85 की कार्रवाई करते हुए कुर्की का आदेश दिया है।साथ ही कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर विधायक की पत्नी पर मुकदमा दर्ज किया गया है।सपा विधायक जाहिद बेग व उनके बेटे जईम बेग जेल में बंद हैं।बता दें कोतवाली क्षेत्र के मालिकाना मोहल्ला निवासी सपा विधायक जाहिद बेग के आवास पर 9 सितंबर को एक नाबालिग किशोरी का शव मिला था।इस मामले में बाल श्रम विभाग एवं किशोर न्यायालय द्वारा विभिन्न धाराओं में सपा विधायक उनकी पत्नी व बेटे पर मुकदमा दर्ज कराया था।सपा विधायक के बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. बेटे के जेल जाने के बाद सपा विधायक जाहिद बेग ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था।विधायक की पत्नी अभी भी फरार चल रही है। जिस मामले में कोर्ट ने 84 की कार्यवाही की थी।आज कोर्ट ने सपा विधायक की पत्नी सीमा बेग के खिलाफ 85 की कार्रवाई करते हुए कुर्की का आदेश दिया एवं कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर धारा 209 के तहत मुकदमा दर्ज किया था।सपा विधायक जाहिद बेग व उनके बेटे जईम बेग जेल में बंद हैं।अपर पुलिस अधीक्षक तेजवीर सिंह ने बताया कि न्यायालय द्वारा धारा 84 बीएनएस के तहत निर्गत नोटिस की अवहेलना के संबंध में सपा विधायक की पत्नी के खिलाफ धारा 209 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है न्यायालय के कुर्की आदेश के तहत संपत्ति जब्त की जाएगी।

श्री व्यंकटेश देवस्थान में ब्रहमोत्सव का भव्य आयोजन

मुंबई। फणस वाड़ी स्थित श्री व्यंकटेश बालाजी भगवान के मंदिर में ब्रहमोत्सव का भव्य आयोजन एवं व्यंकटेश बालाजी की विभिन्न वाहनों पर सवारी की झांकी प्रस्तुत की गयी. इस अद्भुत नजारे को देखने हेतु 12 दिनों में लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ पड़ी. यह जगतगुरु स्वामी श्रीनिवासचार्य एवं बालक स्वामी श्री अनंतचार्य जी के सानिध्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। रोजाना प्रवचन, भजन, वेद पाठ, हवन, पूजन, आरती, महाप्रसाद, भंडारा का आयोजन हुआ।